



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 11] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 18, 1978 (फाल्गुन 27, 1899)
No. 11] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 18, 1978 (PHALGUNA 27, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 फरवरी 1978

सं० पी०-1776/प्रशा०-II—संगणन विज्ञान एकक, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कलकत्ता के भूतपूर्व लेक्चरर श्री के०एस० नायक, जिन्हें इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 27-3-76, 9-6-76, 23-2-77 और 23-9-77 द्वारा 2-3-76 से 28-2-78 तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में पहले प्रोग्रेमर अब वरिष्ठ प्रोग्रेमर के रूप में पुनः पदनामित के पद पर नियुक्त किया गया था, को 1-3-78 से दो महीने की अतिरिक्त अवधि के लिये या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त पद पर कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई है।

प्र० ना० मुखर्जी, अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

दिनांक 19-1-78 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 11-2-78 से 28-2-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी, अवर सचिव
(प्रशासन प्रभारी)

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 फरवरी 1978

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 फरवरी 1978
सं० ए० 32014/1/78-प्रशा० III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना सं० ए० 32014/1/77-प्र० III 1-50631/77

सं० ए० /11/1/78—निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन अधिकारी दिनांक 26-12-77 से अगले आदेशों तक के लिये प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किये गए हैं। उनकी

(1391).

नियुक्ति के स्थान नीचे दिये गये हैं:—

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति का स्थान
1.	श्रीमती मेरी कुट्टी थामस	प्रवर्तन निदेशालय, मुख्यालय कार्यालय, नई दिल्ली।
2.	श्री के० बी० कुरुषिला	प्रवर्तन निदेशालय, बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय, बम्बई।
3.	श्री बी० सी० गुहा	प्रवर्तन निदेशालय, कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय, कलकत्ता।

जे० एन० अरोड़ा, उप निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 22 फरवरी 1978

सं० पी० 70/67-प्रशा०-5—शाह जांच आयोग से प्रत्यावर्तन हो जाने पर, राष्ट्रपति जी अपने प्रसाद से मध्य प्रदेश संवर्ग के अखिल भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी श्री पी० सी० श्रीवास्तव को दिनांक 1-2-78 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस सहायक महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19015/2/78-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से गृह मंत्रालय के अनुभाग अधिकारी श्री नरेन्द्र वर्मा को दिनांक 13-2-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना), नई दिल्ली में अनुभाग अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० ए०-31014/2/77-प्रशासन-1—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9(2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री के० एस० मथाई को दिनांक 1-12-1977 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग में मूल रूप से कार्यालय अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्र० सं०	नाम	पद-स्थापन का वर्तमान स्थान	स्थायी होने की तिथि सहित ग्रेड जिसमें पहले से स्थाई है	केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की शाखा जहां कार्यालय अधीक्षक के स्थायी पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखा गया
1.	श्री के० एस० मथाई	बम्बई	मुख्य लिपिक-ब-लेखापाल 12-5-1971	मुख्यालय

दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० एन० 34/65-प्रशा०-5—श्री एन० बी० जुडेजा, पुलिस उप अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० यू० (1) नई दिल्ली (जिनका मुख्यालय अहमदाबाद में था) की सेवाएं दिनांक 10-1-78 के अपराह्न से गुजरात राज्य सरकार को सौंप दी गई हैं।

ए० के० हुई, प्रशा० अधिकारी (स्था०)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० ओ०-II-979/74-स्था०—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा० सन्जोय कुमार रे, 38 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, का त्यागपत्र दिनांक 31-1-1978 अपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ०-II-1046/76-स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर कोशी एयापन को 1-2-78 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस

बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ०-II-1081/78-स्था०—राष्ट्रपति, डाक्टर विजय कुमार कोड़ाली को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 13-2-78 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय, सहा० निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० ई० 16014/1/18/73-कार्मिक—श्री वि० वि० सरदाना ने 25 जनवरी, 1978 के अपराह्न से बम्बई हवाई अड्डा के कमांडेंट के पद (मुख्यालय नई दिल्ली) का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी तारीख से सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक) के० ओ० सु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 28013/1/78—कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर श्री जी० आर० खोसला ने 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व, नई दिल्ली सं० 1 और 2 के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०—28013/1/78—कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर श्री टी० पी० बासु ने 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से के० औ० सु० ब० इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० सि० बिष्ट, महानिरीक्षक
(के० औ० सु० ब०)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 25/60/72—म० प्र० (प्रशा०—I)—श्री बी० घोष ने तारीख 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न को पश्चिम बंगाल में पदेन आधार पर धारित जनगणना कार्य निदेशक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

पी० पद्मनाभ, भारत के महापंजीकार

नई दिल्ली-1100011, दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 2/1/75—म० प्र० (प्रशा०—I)—राष्ट्रपति, श्री एच० मजूमदार को त्रिपुरा में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 6 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक अस्थायी तौर पर उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। उनका मुख्यालय अगरतसा में होगा।

2. श्री मजूमदार को उप-निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर तारीख 1 अक्टूबर, 1975 से, अर्थात् वह तारीख जिससे सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के ग्रेड में उनसे कनिष्ठ श्री नरसिंह मूर्ती को उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर पञ्चोन्नत किया गया था, उप-निदेशक के पद पर "नोसनल" पदोन्नति अनुज्ञात की जाती है।

बंदी नाथ, भारत के उप महापंजीकार
और भारत सरकार के पदेन उप-सचिव

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डेनंस फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० 6/77/ए०/एम०—सं० 375/ए०/एम० दिनांक 26-12-1977 के अन्तर्गत जारी किए गए मसौदा राजपत्र अधिसूचना

सं० 5/77/ए०/एम० में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

क्रम सं० 5 फैक्टरी के सामने

वास्ते—ग्राम्यनिशन फैक्टरी, खड़की

पढ़ा जाए—आर्डेनंस फैक्टरी, खमरिया

सं० 7/77/ए०/एम०—सं० 375/ए०/एम० दिनांक 26-12-1977 के अन्तर्गत जारी किया गया मसौदा राजपत्र अधिसूचना सं० 4/77/ए०/एम० में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

क्रम संख्या 8 फैक्टरी के सामने

वास्ते—आर्डेनंस फैक्टरी, भुसाबल

पढ़ें—आर्डेनंस फैक्टरी, वरणगांव

सं० 8/77/ए०/एम०—तारीख 29-12-1977 के 375/ए०/एम० संख्यक पत्र द्वारा जारी किये गये मसौदा राजपत्र अधिसूचना सं० 2/77/ए०/एम० में निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

क्रम संख्या 11 तारीख के सामने

वास्ते—29-9-1977

पढ़ा जाए—27-8-1977

ले० कर्नल

(ए० के० गुप्ता)

डी० डी० एच० एस०

हूसे महानिदेशक, आर्डेनंस फैक्टरियां

(डी० एच० एस० छुट्टी पर)

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात और निर्यात व्यापार नियन्त्रण

नई दिल्ली, दिनांक 24 फरवरी 1978

स्थापना

सं० 6/502/56-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय के वर्ग 1 में स्थाई अधिकारी, श्री आई० बी० चुनकत को 1-9-77 से 17-10-77 तक उसी वर्ग की प्रवर श्रेणी में नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री आई० बी० चुनकत को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उपर्युक्त अवधि के लिये संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक

आयात निर्यात

उद्योग मंत्रालय

उद्योग विकास विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० सी० एल० बी० 1/12/6-जी०/77—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 34 में प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना संख्या सी० एल० बी० 1/1/6जी०/71

दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 12 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएंगी अर्थात्:—

1	2	3	4
"12	(1) निदेशक उद्योग, पंजाब	पंजाब	12(6), 12(6ए), 12(7ए), 12(7ए ए), 12 सी और 12 ई।
	(2) राज्य वस्त्र अधिकारी, पंजाब	"	"
	(3) संयुक्त निदेशक उद्योग, पंजाब	"	"
	(4) सहायक निदेशक उद्योग, पंजाब	"	12(6) और 12(सी)
	(5) वस्त्र अधिकारी विपणन एवं विकास पंजाब, अमृतसर	"	12 (7 ए)
	(6) सभी वरिष्ठ जिला उद्योग अधिकारी/सभी जिला उद्योग अधिकारी/जिलों के प्रभारी परियोजना अधिकारी (उद्योग)।	पंजाब में उन से संबंधित जिलों में	12 (6), 12 (7ए) और 12 सी

सं० 18 (1)/77/सी० एल० बी०-II—वस्त्र (शक्तिचालित कर्घों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना संख्या 15(2)/67-सी० एल० बी० II/बी० दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 12 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4
"12	(1) निदेशक उद्योग, पंजाब	पंजाब	6, 6सी, 7ए, 8 और 8ए
	(2) राज्य वस्त्र अधिकारी, पंजाब	"	"
	(3) संयुक्त निदेशक उद्योग, पंजाब	"	"
	(4) सहायक निदेशक उद्योग, पंजाब	"	6 और 7 ए
	(5) सभी वरिष्ठ जिला उद्योग अधिकारी/सभी जिला उद्योग अधिकारी/जिलों के प्रभारी परियोजना अधिकारी (उद्योग)।	पंजाब में उनके अधिकार क्षेत्र में	6 और 7 ए

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग—1)

नई दिल्ली, दिनांक 22 फरवरी 1978

सं० प्र०-1/1 (423)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान
महानिदेशालय, नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड-

III के अधिकारी श्री भारत भूषण को दिनांक 9 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से तथा अगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० प्र०-1/42 (41)-IV—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (भारतीय पुलिस सेवा के ग्रुप ए के ग्रेड-III) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान पद	स्थायी होने की तारीख	अभ्युक्तियाँ
सर्वश्री				
1.	आर० सी० बदलानी	उप निदेशक	31-1-1969	—
2.	श्याम किशोर मलिक	उप निदेशक	31-1-1969	—
3.	जी० रामन	सहायक निदेशक (ग्रेड-1)	30-3-1971	—

सं० प्र०-1/1 (648)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली के स्थानापन्न निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) श्री एम० सुन्दरारामन के अवकाश पर जाने पर दिनांक 9-12-77, (अपराह्न) से उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रेड II) के पद पर पदावन्त हो गये।

2. राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में उप निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड II) श्री एम० सुन्दरारामन को दिनांक 1 फरवरी, 1978 के पूर्वार्द्ध से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड I) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० प्र०-1/1 (1080)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान संघ लोक सेवा आयोग की मिकारिण पर एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को दिनांक 1 फरवरी, 1978 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड II) (प्रशिक्षण आरक्षी) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

1. श्री सी० अरुमुगम

2. श्री एस० के० चट्टोपाध्याय

(प्रशासन शाखा-6)

सं० प्र०-6/247 (459)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान उत्तरी निरीक्षण मण्डल नई दिल्ली में भण्डार परीक्षक (इन्जी) श्री ओ० एन० लक्ष्मी को दिनांक 18 जनवरी, 1978 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों के जारी होने तक कलकत्ता निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए०/17011/123/77-प्र०-6—बनपुर निरीक्षणालय के अधीन उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) दुर्गापुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री एस० सेन का दिनांक 15-1-78 को देहान्त हो गया।

सं० प्र०-6/247 (618)—इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी) श्री एस० सी० मिहान का दिनांक 3-1-1978 को देहान्त हो गया।

दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० प्र०-6/247 (261)/71-III—सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) और इस महानिदेशालय के अधीन निरीक्षण निदेशक (धातु) बनपुर के कार्यालय में भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-I) धातु कर्मशाला के ग्रेड-III में स्थानापन्न सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री एस० के० सरकार का 30-1-78 को देहान्त हो गया।

सूर्य प्रकाश,

उपनिदेशक (प्रशा०)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० 1477/बी०/2181 (जी० एन० एस०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री जी० एन० सचन को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से, 14-9-77 के अपराह्न से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे खनिज समन्वेषण निगम लिमिटेड (मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लि०) में रसायनज्ञ के रूप में, अपने नये नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 1657/बी०/2181 (डी० एम०)/19-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक रसायनज्ञ श्री दीनबन्धु मिश्रा को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की सेवाओं से त्यागपत्र देने पर 23-11-1977 के पूर्वार्द्ध से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे हिन्दुस्तान इस्पात लिमिटेड, राऊरकेला में, रसायनज्ञ के रूप में अपनी नई नियुक्ति का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

बी० एस० कृष्णस्वामी, महानिदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० ए० 31014/2/77-एस०-पांच—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री डी० एस० नगरसेन्कर, आकाशवाणी के एक स्थाई प्रशासन अधिकारी (कनिष्ठ ग्रेड) जो आजकल केन्द्रीय विक्रय एकक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, बम्बई में उप निदेशक (लेखा) के पद पर कार्य कर रहे हैं, को आकाशवाणी महानिदेशालय में 9-2-78 से लेखा निरीक्षक के मूल पद पर नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेषाद्रि, प्रशासन उप निदेशक

कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 4 (30)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री कुमार चटर्जी को आकाशवाणी राजकोट में 31-1-1978 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज, प्रशासन उप निदेशक

कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 फरवरी, 1978

सं० ए० 19020/26/76-प्रशा०-1—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने के फलस्वरूप विलिंगडन अस्पताल, नई दिल्ली के

प्रशासन अधिकारी श्री टी० एन० कुप्पुस्वामी 31 जनवरी, 1978
अपराह्न से भारत सरकार की सेवा से, सेवा निवृत्त हो गये हैं।
शाम लाल कुठियाला,
उपनिदेशक प्र०

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

कार्यालय निदेशक/समेकित मीन उद्योग
कोचीन-16, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० ए० 2/7-110/65—श्री के० एस० जार्ज विन्सेंट
पर्यवेक्षक (बिजली) को 28-10-1977 के पूर्वाह्न से समेकित
मीन उद्योग में अस्थाई हैसियत से 650-30-740-35-810-
द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के
वेतनमान में जी० सी० एस० श्रेणी-2 (राजपत्रित) सहायक
इंजीनियर (विद्युत्) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

बी० कृष्णामूर्ति, निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी ए पी पी थाना-401504, दिनांक 16 जनवरी 1978

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19(3)/76—आर०—परमाणु
ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक,
तारापुर परमाणु बिजलीघर के एक अस्थाई सहायक लेखाकार श्री
वाई० आर० बेलंकार को, 16-11-1977 से अगले आदेश तक
के लिये विशुद्धतः तदर्थ आधार पर उसी बिजली घर में सहायक
लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० डी० देसाई, मुख्य प्रशा० अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 3 फरवरी 1978]

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/3056/78-3122—
रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, परमाणु ऊर्जा
विभाग के सहायक कार्मिक अधिकारियों/सहायक प्रशासनिक
अधिकारियों के केन्द्रीकृत संवर्ग के एक स्थानापन्न सहायक कार्मिक
अधिकारी श्री रामास्वामी नारायणन को, उनका तबादला भाभा
परमाणु अनुसंधान केन्द्र, कलपक्कम की अपशिष्ट पदार्थ प्रबन्धन
सुविधा से हो जाने पर, रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में, 21 जनवरी,
1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये, सहायक प्रशासनिक
अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० एच० वणमुखम, प्रशासनिक अधिकारी,
कृते परियोजना निदेशक

अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन

शार केन्द्र

श्रीहरिकोटा, दिनांक 16 दिसम्बर 1977

सं० एस० सी० एफ०. पी० एण्ड जी० ए०/स्थापना-1-72—
निदेशक, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में श्री च० भास्कर सुब्बा राव को

इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 अक्टूबर,
1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक पदोन्नति पर नियुक्त
करते हैं।

आर० गोपालारत्नम, प्रधान, का० तथा सा० प्र०
कृते निदेशक,

श्रीहरिकोटा, दिनांक 27 जनवरी 1978

सं० एस० सी० एफ०. पी० एण्ड जी० ए०—स्था०-1-72
निदेशक, शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में श्री पी० नटराजन को इंजीनियर
एस० बी० के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 1 अक्टूबर, 1977
के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

आर० गोपालारत्नम,
प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० ई० (1) 04185—निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र,
नई दिल्ली के कार्यालय में स्थापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री ए०
सी० पाल निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 जनवरी, 1978
के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

गुरुमुखराम गुप्ता, मौसम विज्ञानी (स्था०)
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 18 फरवरी 1978

सं० ए०-35018/2/78-ई-I—राष्ट्रपति ने श्री टी० बी०
राजेश्वर, आई० पी० एस० (ए० पी०-1949) को दिनांक
18 जनवरी, 1978 से प्रारम्भ में एक वर्ष की अवधि के लिये नागर
विमानन विभाग में रु० 2500-125/2-2750 के वेतनमान में
नागर विमानन सुरक्षा समन्वयक के पद पर नियुक्त किया है।

प्रेमचन्द जैन, सहायक निदेशक प्रशासन,
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 17 फरवरी 1978

सं० ए०-32013/2/77-ई०-I(i)—राष्ट्रपति ने नागर
विमानन विभाग के श्री बी० रामासुब्रह्मण्यम्, निदेशक प्रशिक्षण और
अनुशासन को दिनांक, 31-1-1978 (अपराह्न) से एक वर्ष की
अवधि के लिये अथवा निदेशक योजना एवं मूल्यांकन के पद पर
नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमा-
नन विभाग के संचार निदेशालय में तदर्थ आधार पर निवेशक
योजना और मूल्यांकन के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए०-32013/2/77-ई०-I(ii)—राष्ट्रपति, ने
श्री जे० एस० कपूर, उपनिदेशक (टरिफ जांच) को दिनांक

31-1-1978 (अपराह्न) से एक वर्ष की अवधि के लिये अथवा जब तक संचार निदेशालय में निवेशक योजना और मूल्यांकन का पद तदर्थ आधार पर स्वान्तरण द्वारा भरा रहता है, इन में से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में तदर्थ आधार पर निदेशक प्रशिक्षण एवं अनुज्ञापन के पद पर नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द जैन,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० ए०-39012/2/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बंबई के कार्यालय के श्री आर० के० टण्डन, तकनीकी अधिकारी का त्यागपत्र दिनांक 27-10-77 (अपराह्न) से स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० ए०-32013/16/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित तीन सहायक संचार अधिकारियों को, जो इस समय तदर्थ आधार पर संचार अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में दिनांक 12-12-77 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक, नियमित आधार पर संचार अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात किया है :—

क्र० सं०	नाम	तैनाती स्टेशन एवं कार्यालय
1.	श्री जे० एन० लांस	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली।
2.	श्री बी० ए० बेल्लिअप्पा	प्रभारी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बंगलूर।
3.	श्री के० एस० गोपालन	नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास।

दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० ए० 32013/10/76-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री पी० डी० खन्ना सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली को दिनांक 18-1-78 (पूर्वाह्न) से और अगले आदेश होने तक नियमित रूप से तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

सं० ए० 12025/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री देवेन्द्र सिंह को नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में दिनांक 24-1-78 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से संचार अधिकारी के पद पर

नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा,
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० ए० 12025/7/75-ई० एस०—राष्ट्रपति ने संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री पी० एम० गोयल को नागर विमानन विभाग में दिनांक 30-1-1978 से और अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से विमान निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें वरिष्ठ विमान निरीक्षक प्रभारी वैमानिक निरीक्षण कार्यालय, लखनऊ एयरपोर्ट, लखनऊ के कार्यालय में तैनात किया है।

सुरजीत लाल खांडपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाह्वालय

कानपुर, दिनांक 6 अगस्त 1977

सं० 104/77—इस समाह्वालय के पृष्ठांकन स्पत्र सं० 11(3) काफला/91/75/एच० ए० सी०/पार्ट/3016 दिनांक 20-12-75 के अन्तर्गत नोटिस के बदले 3 माह के वेतन और भत्ते देकर, स्थ० आर० 56 (जे०) के अन्तर्गत दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त किये गये तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर प्रथम मण्डल में पहले पदस्थापित श्री जगदीश सिंह अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क ग्रुप (ख) अपने पद का कार्यभार दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को श्री टी० एल० बिसारिया अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कानपुर प्रथम मण्डल को सौंप कर सरकारी सेवा में दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये। वह अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद भी दिनांक 18-10-75 तक छुट्टी पर रहे। उन्हें अवकाश की उस अवधि को छोड़कर जो उस अवधि के साथ चलती है जिसके लिए नोटिस के बदले वेतन और भत्ते दिए जा चुके हैं, केन्द्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली 1972 के नियम 40 (7) (ए) में दी गई व्यवस्था के अनुसार अवकाश वेतन जिसमें पेंशन तथा सेवा निवृत्ति की अन्य प्रसुविधाओं के बराबर पेंशन की धनराशि घटी होगी, मिलेगा। ऐसी अवधि के लिये अवकाश वेतन स्वीकार नहीं है।

सं० 105/77—इस कार्यालय के पृष्ठांकन सं० 11(3) काफला/61/75/एच० ए० सी०/पार्ट/3020 दिनांक 20-12-75 के अन्तर्गत नोटिस के बदले 3 माह के वेतन एवं भत्ते देकर एफ० आर० 59 (जे०) के अन्तर्गत दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति किये गये तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय कानपुर में पहले पदस्थापित श्री सुरेन्द्र मिश्रा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप ख ने

अपने पद का कार्यभार दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को छोड़कर सरकारी सेवा से दिनांक 23-12-75 (अपराह्न) को सथा निवृत्ति हो गये। वह अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्ति की तारीख के बाद भी दिनांक 13-10-77 तक छुट्टी पर रहेंगे और उन्हें अवकाश की उम अवधि को छोड़कर जो उम अवधि के साथ चलती है जिसके लिये नोटिस के बदले वेतन और भत्ते दिये जा चुके हैं, केन्द्रीय सिविल सेवा (अवकाश) नियमावली 1972 के नियम 40/(7) (ए) में दी गई

व्यवस्था के अनुसार अवकाश वेतन, जिसमें पेंशन तथा सेवा निवृत्ति की अन्य प्रसुविधाओं के बराबर पेंशन को धनराशि घटी होगी, मिलेगा। ऐसी अवधि के लिये अवकाश वेतन स्वीकार नहीं है।

के० एस० दिलिप सिंह जी,
समाहर्ता

कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रदेश

इन्दौर 452001, दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 1/78—निम्नलिखित निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रे०) की अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर, उन्होंने उनके नाम के सामने दर्शाए तिथि से अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद के कार्यभार ग्रहण किए।

अ० क्र०	अधिकारी का नाम	तैनात का पद	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
सर्वश्री			
1.	व्ही० के० हांडा	अधीक्षक (अ० आ० नि०) निर्धारण रेंज नं० II, मुख्यालय इन्दौर।	16-1-78 (पूर्वाह्न)
2.	एम० बी० आठले	अधीक्षक ब० अ० रेंज, IV इन्दौर।	16-1-78 (पूर्वाह्न)
3.	जी० एन० मारकांडे	अधीक्षक (सां०) म० प्र० समाहर्तालय स्थित नागपुर।	17-1-78 (पूर्वाह्न)
4.	पी० एन० डांगे	अधीक्षक (ले० प०) मुख्यालय, इन्दौर।	16-1-78 (पूर्वाह्न)
5.	के० एल० श्रीवास्तव	अधीक्षक, ब० अ० रेंज I, ग्वालियर।	16-1-78 (पूर्वाह्न)
6.	एस० सी० श्रीवास्तव	अधीक्षक रायपुर आउटर-II	23-1-78 (पूर्वाह्न)
7.	एम० पी० मेलारपवार	अधीक्षक (अ० आ० नि०) निर्धारण रेंज नं० V प्रभाग, रायपुर।	30-1-78 (पूर्वाह्न)
8.	एन० के० दीषाण	अधीक्षक, आयसोलेटेड रेंजेंस चाम्पा	16-1-78 (अपराह्न)
9.	आर० डी० मल्होत्रा	अधीक्षक, आयसोलेटेड रेंजेंस, धार	21-1-78 (पूर्वाह्न)
10.	एम० रशीद	अधीक्षक (II) रेंजेंस प्रभाग, इन्दौर	16-1-78 (पूर्वाह्न)
11.	जी० बी० एस० पवार	अधीक्षक, दुर्ग	24-1-78 (पूर्वाह्न)

मनजीत सिंह बिन्ना, समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं०-6(5)/सी० आर० ए०/77—नौवहन महानिदेशक, बम्बई एतद्द्वारा श्री होनासिंग शिथुन्ग को तारीख 9 जनवरी 1978 पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक स्थानापन्न सहायक निदेशक नाविक नियोजन कार्यालय, कलकत्ता के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० बाला,
नौवहन उपमहानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली 22, दिनांक 24 फरवरी 1978

सं० क-19012/639/77 प्रशा० पाच—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग श्री हरेन्द्र नाथ डक्का को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के रूप में 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 रु० के वेतनमान में 4 जनवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री डक्का ने केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान संगठन, केन्द्रीय

जल आयोग, पटना में अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) का कार्यभार संभाला।

3. श्री डक्का दिनांक 4-1-78 से दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

4. श्री डी० एस० मदान, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) जिन्हें तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रोमेट) के रूप में नियुक्त किया गया था दिनांक 4-1-78 (पूर्वाह्न) से वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (हाइड्रोमेट) के पद पर प्रत्यावर्तित हो गये हैं।

जे० के० साहा
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० 27/42/77 ई० सी० 9—राष्ट्रपति, श्री दीपक रंजन सन वास्तुक, संलग्न वरिष्ठ वास्तुक (उ० अ०) 10, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त त्यागपत्र इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से स्वीकार करते हैं।

दिनांक 25 फरवरी 1978

सं० 27/3/78-ई० सी० 6—निर्माण महानिदेशक, निर्माण महानिदेशालय, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्रीमती चन्द्रा बनर्जी को के० लो० नि० वि० में सहायक वास्तुक (सामान्य केन्द्रीय सिविल सेवाएं ग्रुप 'ख') के अस्थायी पद पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-100-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में रु० 810 प्रति मास वेतन पर, दिनांक 6-2-78 (पूर्वाह्न) से सामान्य शर्तों के अधीन नियुक्त करते हैं।

2. श्रीमती चन्द्रा बनर्जी को 6-2-78 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पर रखा गया है।

3. श्रीमती बनर्जी को मुख्य इंजीनियर (पूर्व अंचल), के० लो० नि० वि०, कलकत्ता के कार्यालय में 6-2-78 (पूर्वाह्न) से एक रिक्त स्थान पर नियुक्त किया गया है।

डी० पी० ओहरी
प्रशासन उप-निदेशक

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० 27-ई० ई०/आर० (10) 69-ई० सी० II—श्री एस० एन० रे, निर्माण सर्वेक्षक (विद्युत), जो के० लो० नि० 2—506GI/77

वि० के कलकत्ता केन्द्रीय विद्युत परिमण्डल, I में कार्यरत थे, का दिनांक 28 जनवरी 1978 को निधन हो गया।

सु० सू० प्रकाश राव
प्रशासन उप-निदेशक
कृते निर्माण महानिदेशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चेद्विनाड आटोमोटीव प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० 5874/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि चेद्विनाड आटोमोटीव प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पंचापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईस्टर्न रिफाब टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 22 फरवरी 1978

सं० 1270/A/1189—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ईस्टर्न रिफाब टेक्नोलाजी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स रायग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

ग्वालियर, दिनांक 23 फरवरी 1978

सं० 899 पी० एस०/1218—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स रायग इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जसराज बोहरा
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कम्पनी अधिनियम 1956 और के कोर्नाक ट्रेडींग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
कटक, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० एस० उ० 186/6436 (2)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि कोर्नाक ट्रेडी कारपोरेशन

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और के गिता द्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 27 फरवरी 1978

सं० एस० उ० 501/6437 (2) —कम्पनी अधिनियम 1956 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गिता द्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दिलीप कुमार पाल
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

आयकर विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1978

सं० कोआर्ड०/पब्लि०/दिल्ली/ई/76-77/44900—
नीचे उक्त व्यक्तियों तथा हिन्दू अविभक्त परिवारों के नामों

की सूची दी गई है जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1976-77 के दौरान 10 लाख रुपए से अधिक पर हुआ है।

(एक) में "आई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्दू अविभक्त परिवार का सूचक है तथा (दो) में कर-निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणी में दिखाया गया धन (चार) में कर-निर्धारित धन (पांच) में निर्धारित द्वारा देय कर (छह) में निर्धारित द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है।—

1/पी० जेड०-4101, बिरमों देवी द्वारा डी० सी० एम० प्रमिसेस, बाड़ा हिन्दू राव, दिल्ली (एक) आई० (दो) 1976-77 (3) 10,88,300 (चार) 10,87,900 (पांच) 23,516 (छह) 23,536 (2) लीला अग्रवाल 42, जनपथ, नई दिल्ली (एक) आई (दो) 1976-77 (तीन) 11,77,560 (चार) 11,94,891 (पांच) 27,796 (छह) 28000

क० न० बुटानी

आयकर आयुक्त दिल्ली-1

नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अ० रें०-IV,

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1978

निर्देश सं० ए० सि०/अ० रें०-IV/कल०/77-78—अतः
 मुझे, पि० पि० सि०,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
 विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
 उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
 जिसकी सं० 208/1-ए है तथा जो बाराकपुर ट्रांक रोड में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-6-77
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
 वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
 लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
 में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5—506 GI/77

(1) श्री प्रतुल कुमार मुखार्जी

(अन्तरक)

(2) श्री सुविमल पाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
 दिया गया है।

अनुसूची

208/1-ए, बाराकपुर ट्रांक रोड, धाना-बरानगर, 24 पर-
 गणा में 7 कट्ठा 9 छटांक 43 स्को० फिट खालि जमीन जैसे के
 सन् 1977 के टलील सं० 5563 पि० में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है।

पि० पि० सि०,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता
 54, रफी अहमद क़िदवई रोड,
 कलकत्ता-16

दिनांक : 18 फरवरी, 1978

मोहर :

प्राख्य आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री प्राण कुमार मुखार्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री कल्याण पाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 18 फरवरी 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

सं० ए० सि०-35/अ० रें०-IV/कल०/77-78—यतः मुझे, पि० पि० सि०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 208/1-बि है तथा जो बाराकपुर ट्रांक रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-9-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

208/1-बि, बाराकपुर ट्रांक रोड, थाना बाराकपुर, 24 परगणा में 7 कठ्ठा 16 छटांक 43 स्क० फिट खाली जमीन जैसे के सन् 1977 का दलील सं० 5564 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

पि० पि० सि०

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता,

54, रफीग्रहदद किदवई रोड,

कलकत्ता-16

दिनांक : 18 फरवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० सी० एच० डी०/65/77-78—अतः, मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी सं०

एस० सी० औ० नं० 125, सैक्टर 28-डी, है तथा जो चण्डी-
गढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने के लिये सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) ले० कर्नल कवल नैन सिंह पुत्र श्री कुलदीप सिंह,
मकान नं०-114, सैक्टर 33-सी,
चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) 1. श्री साहिब पिता मल साहनी पुत्र श्री शंकर दास
साहनी,
2. श्रीमती सरस्वती देवी पत्नी श्री साहिब पिता मल
साहनी,
मकान नं०-126, सैक्टर 16-डी,
चण्डीगढ़

(अन्तरिती)

(3) मं० साई ओटो इंडस्ट्रीज, एस० सी० औ०
नं० 125, सैक्टर 28-डी,
चण्डीगढ़

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2½ मंजिला मकान नं० एस० डी० औ० 125, सैक्टर, 28-डी,
चण्डीगढ़ में स्थित है तथा जिसका रकबा 84.58 वर्गगज है।
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चण्डीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री
नं० 787 तिथि 3-11-1977 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 27 फरवरी, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० बी० जी० आर० (डी०एल०आई०)/3/77-78—

अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग है तथा जो 14/4 माईल स्टोन, मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० ग्रीवर प्लास्टिक इंडस्ट्रीज,
आर-808, न्यू राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मै० इलोफिक इंडस्ट्रीज (प्रा०) लि०,
सी०-44, फडस कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

(3) 1. मै० जेनेरेटर इंडिया (प्रा०) लि०,
2. मै० आईशर ट्रेक्टर इंडिया लि०,
3. मै० इलोफिक इंडस्ट्रीज इंडिया,
14/4 माईल स्टोन, मथुरा रोड, फरीदाबाद.
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्वच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फैक्ट्री बिल्डिंग जोकि 14/4 माईल स्टोन मथुरा रोड, फरीदाबाद में स्थित है ।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता देहली के कार्यालय में रजिस्ट्री नं० 361 मास सितम्बर पर दर्ज है) ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक,

दिनांक : 27 फरवरी, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० के० एन० एल०/13/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र
कुमार पठानिया,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० फैक्ट्री रोड, मेरठ रोड है तथा जो करनाल में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बहादुर चन्द पुत्र श्री हीरा नंद,
श्री सतपाल उर्फ सतदेव पुत्र बहादुर चंद,
निवासी मेरठ रोड, करनाल ।

(अन्तरक)

(2) i. श्री दौलत राम पुत्र श्री खेम चन्द,
ii. श्री घनश्याम दास पुत्र श्री राम चन्द,
मार्फत मार्टिन एग्रो इंजीनियर्स वक्स,
कुंजपुरा रोड, करनाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फैक्ट्री रोड सहित चार दीवारी जो कि मेरठ रोड, करनाल
में स्थित है ।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता करनाल के कार्यालय में क्रमांक
2019 तिथि 17-6-1977 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक ।

दिनांक : 1 मार्च, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश सं० डी० पी०-124/भटिंडा/77-78-यतः मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

- (1) 1. कौशल्या देवी विधवा विधवानाथ
2. हरी ओम पुत्र श्री विधवानाथ
3. संतोश कुमारी पुत्री श्री विधवानाथ द्वारा महावीर जिनिंग मिलज मानसा

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री देवकी नंदन, महदेव, नवल कुमार पुत्रान प्यारे लाल,
2. सत्या देवी पत्नी प्यारे लाल द्वारा बनारसी दास संघावी वाले कमीशन एजेंट बाना मंडी मानसा

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मानसा में एक गोदाम जैसा कि दिलेख नं० 2191 जुलाई, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 1 मार्च, 1978

मोहर :

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० पी०-125/भटिंडा/77-78—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसको सं० जैसा कि अनुसूची में दिया गया है तथा जो चोहियाँ
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख
अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—506GI77

(1) श्री पूर्ण सिंह पुत्र नगाहिया सिंह पुत्र रूप सिंह,
गांव खेवाली तहसील नकोदर,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी केवल सिंह पुत्र संता सिंह,
गांव चोहियाँ तहसील नकोदर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चोहियाँ गांव में 29 कनाल 19 मरले जपीन जैसा कि लिख
नं० 973 अगस्त, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी शाहकोट में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 1 मार्च 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश नं० ए० पी० नं० 126/भटिंडा/77-78—यतः

मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो बटाला गरबी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गणना, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवस्थों अर्थात्

(1) बचिस्तर सिंह पुत्र श्री महताब सिंह वासी कोठी मियां तहसील बटाला

(अन्तरक)

(2) स्वर्ण सिंह पुत्र चदा सिंह वासी उमर पुरा तहसील बटाला

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बटाला गरबी में 28 कनाल 5 मरल जमीन जैसा कि विलेख नं० 2984 जुलाई 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 1 मार्च 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश नं० ए० पी० नं० 127/भटिंडा/77-78—यतः
मुख्य, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हरदो थला में स्थित है) और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दसूया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुख्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

(1) श्री हरियाम सिंह पुत्र श्री मन्मथनसिंह गांव हरदोथला तहसील दसूया

(अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह कलकत पुत्र श्री किशन सिंह गांव कैथान तहसील दसूया

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो और व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हरदोथला गांव में 34 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2000 अगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी दसूया में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 1 मार्च 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भटिंडा दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश नं० ए० पी० 128/भटिंडा/77-78 यतः, मुझे, पी०
एन० मलिक,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो लोहियां
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शाहकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर
1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्-
तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

- (1) श्री पूर्ण सिंह पुत्र श्री नगाहिया सिंह पुत्र श्री रुक्मिणी
गांव हपेवाली तहसील नकोवर
(अन्तरक)
- (2) श्री केवल सिंह पुत्र श्री सेता सिंह पुत्र श्री बग्गा सिंह
गांव लोहियां तहसील नकोवर
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो और व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लोहियां गांव में 10 कनाल 16 मरले जमीन जैसा कि बिलेख
नं० 1114 सितम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट
में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक 1 मार्च 1978
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भटिंडा, दिनांक 1 मार्च 1978

निदेश न० ए० पी० 129/भटिंडा/77-78—यतः मुझे
पी० एन० मलिक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो टांडा
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसुध्या में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बलवत सिंह पुत्र हरनाम सिंह गांव टांडा तहसील
वसुध्या

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश सिंह, मलकीयत सिंह पुत्रान महेशा सिंह
गांव टांडा तहसील वसुध्या

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

टांडा गांव में 26 कनाल 4 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं०
2229 अगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वसुध्या

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 1 मार्च 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मैसर्स इन्द्रा इलेक्ट्रिकल्स, देहली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स जयपुर बांटलिंग कम्पनी, झोटवाड़ा, जयपुर
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज,

जयपुर, दिनांक 2 मार्च 1978

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/389—यतः, मुझे
एम० पी० वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० ई-14 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
राजस्तीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, राजस्तीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
15 जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-14, विश्वकर्मा इण्डस्ट्रियल ऐरिया, जयपुर
स्थित फैक्टरी बिल्डिंग जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रमांक
1005 दिनांक 15-6-77 द्वारा पंजीबद्ध विषय पत्र में और
अधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० पी० वशिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, जयपुर

दिनांक : 2 मार्च, 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 27 फरवरी 1978

निर्देश सं० 207/77-78/अर्जन—यतः, मुझे, डि० सि० राजागोपालन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
हमके पत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिस की सं० आर० एस० 231 है, जो बेलगाम गौडसेड
(अप्पर सैड) बेलगाम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बेलगामग्रंडर डाकुमेंट नं० 1019/77-78 में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का (16)
के अधीन, दिनांक 23-7-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई विषय आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. (1) श्री वत्तामया मारुति गंधावाले,
(2) श्री नारायण केसव गंधावाले, यमकानमरडि
पोस्ट, बेलगाम, तालुक ।
(अन्तरक)

2. श्री रतनजि देवजि पटेल, मामिल मालिक, गूडसेड
रोड, बेलगाम सिटी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समानि के अर्जा के
लिए कार्यवाहियां करना ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला मैदान और झोडस गूडसेड रोड (अप्पर सैड)
यहां है। बेलगाम सिटी के नं० आर० एस० 231-एकत
जगह 11750 स्कवेयर फीट है।

डि० सि० राजागोपालन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, धारवाड़

दिनांक : 27 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री ए० आरोकियसामि

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री डाक्टर ए० पेन्कास

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास II, 600006 दिनांक 10 फरवरी 1978

निदेश सं० 3885/जून/77-यतः, मुझे के० पोन्न,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 156 और 157, है तथा जो मेटु स्ट्रीट, पेरम्बलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरम्बलूर 'आकुमेंट 901/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-6-1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातुः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पेरम्बलूर, मेटु स्ट्रीट, वार्ड सं० 4, डोर सं० 156 और 157, में भूमि और मकान।

के० पोन्न

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

दिनांक : 10 फरवरी 1978

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री एन० नाताबाय दवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) श्रीमती टी० अकिलाम्बाल अम्माल

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 10 फरवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूं।

निदेश सं० 3893/जून/77—यतः, मझे के० पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं० टी० एस० सं० 442 नार्थ मेयिन स्ट्रीट,
तन्जाऊर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जे० एस० आर० I तन्जाऊर 'डॉकुमेंट 1373' में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
1-6-77 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—506GI/77

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तन्जाऊर, नार्थ मेयिन स्ट्रीट, मनिसिपल वार्ड सं० 4, टी०
एस० सं० 442 में 5928 स्कुयर फीट (मकान के साथ)के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री ए० टी० पिचमुत्तु

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री के० पोधुसामि

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० 3895/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 87, बैपास रोड, करूर है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करूर वेस्ट 'डाकुमेंट 2005/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करूर, बैपास रोड, डोर सं० 87 में भूमि और मकान

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 16 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० 3899/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 12, देवराजन स्ट्रीट, चेन्नलपट में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चेन्नलपट 'डाकुमेन्ट
1125/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 27-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती के० एस० रंकनायकि, श्री के० एस० श्री-
निवासन और के० एस० रामन
(अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० मरियम बी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

चेन्नलपट, वेदाचल नगर, देवराजन स्ट्रीट, डोर सं० 12
में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 16 फरवरी 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० 3910/जून/77-यतः, मुझे के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० 7-एस, रामकृष्णपुरम, कर्नूर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कर्नूर वेस्ट
'डोकुमेन्ट 2255/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री एस० पिचमुतु

(अन्तरक)

(2) श्री पी० कालियप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कर्नूर, रामकृष्णपुरम, सं० 7-एस, में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 16 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री पी० वि० एम० मुत्तुसामि

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वीरप्पन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 16 फरवरी 1978

निदेश सं० 3915/जून/77-यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 52, कुरुवियान कुल स्ट्रीट, तिरुचि 8
में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस०
आर० III तिरुचि 'डाकुमेन्ट 871/77, में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
28-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तिरुचिरापल्ली, कुरुवियान कुल स्ट्रीट, डोर सं० 52
में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 16 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रामकृष्ण पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अब्दुल हमिद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 3888/जून/77-यतः, मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 2747, ब्लाक 43, वार्ड II,
135 असिगम गांव, मन्नार्गुडि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, मन्नार्गुडि 'डाकुमेंट 1081/77' में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 8-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मन्नार्गुडि , 135 असिगम गांव, वार्ड सं० II, ब्लाक 43,
टी० एस० सं० 2747 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 28 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०—

(1) श्री रामकृष्ण पिल्लै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पि० ए० नसिमुन्निसा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 3888/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है,

और जिसकी सं० टी० एस० 2747, ब्लॉक 43, वार्ड सं०
II, 135 असिगम गांव, मन्नागुडि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, मन्नागुडि 'डॉकुमेंट' 1111/77 में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्थितीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मन्नागुडि, 135, असिगम गांव, वार्ड सं० 2, ब्लॉक 43,
टी० एस० सं० 2747 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 28 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० हरिकृष्णन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गोपालकृष्णन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 3902/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० 55/1 सी 1 ए 1 बाजार स्ट्रीट, श्रीमुष्णम में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीमुष्णम
'डॉकुमेंट 974/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16 के अधीन, दिनांक 27-6-1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री मुष्णम, बाजार स्ट्रीट, एस० सं० 55/1 सी 1 ए 1 में
भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 28 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मदास

मदास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निर्देश सं० 3902/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 55/1 सी। ए। बाजार स्ट्रीट, श्रीमुण्णम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीमुण्णम
'डाकुमेंट 979/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—506GI/77

(1) श्री एम० हरिकृष्णन

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन दास

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्री मुण्णम, बाजार स्ट्रीट, एस० सं० 55/1 सी। ए। 1 में
भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मदास

तारीख : 28-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एम० हरिकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रंगनाथन

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1978

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशयः—

निर्देश सं० 3902/जून/77—यसः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 55/1 सि 1 ए 1 बाजार स्ट्रीट, श्रीमुष्णम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीमुष्णम 'डकुमेंट 980/77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1977

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः—

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्री मुष्णम, बाजार स्ट्रीट, एस० सं० 55/1 सि 1 ए 1 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीख : 28 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री एम० हरिकृष्णन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री श्रीधरन

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 3902/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 55/1 सी 1 ए 1 बाजार स्ट्रीट, श्रीमुण्णम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीमुण्णम (डाकुमेण्ट 996/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्त :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीमुण्णम, बाजार स्ट्रीट, एस० सं० 55/1 सी 1 ए 1 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 28 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री टी० एस० पार्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्री डब्ल्यू० सालमन

(अन्तरिती)

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास-600004, दिनांक 24 फरवरी 1978

निदेश सं० 3903/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 56, स्टेशन रोड, मद्रास-44 में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लारम (डकुमेंट 4587/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के) अधीन, दिनांक 27-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-44, डोर सं० 56, स्टेशन रोड ।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 24 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री वी० आर० चन्द्रन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गोविन्दराज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600 006, दिनांक 22 फरवरी 1978

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 4339/जू०/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी एस० सं० 12, ईरोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1, ईरोड (डाकुमेट 1478/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

21

ईरोड, एस० सं० 12 में 0-47 — एकड़।

32

(ख) ऐसा किनी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 22 फरवरी 1978

मोहर :

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती बी० बालाम्बाल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री गोविन्दराज

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

मद्रास-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० 4339/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी एस० सं० 12, ईरोड है तथा जो इरोड (0.66 23/32 एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I ईरोड (डाकुमेंट 1479) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

ईरोड, एस० सं० 12 में 0-66 23/32 एकड़।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 22 फरवरी 1978

मोहर :

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

प्रारूप धारा ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

निदेश सं० 4339/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी एस० सं० 12, ईरोड है तथा जो जे० एम० आर० I
ईरोड (डोक सं 1480/77) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जे० एस० आर० I ईरोड (डोक सं 1480/77)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से अंकित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ई० आर० साम्बमूर्ती, श्रीकण्ठेस्वरन
ग्यानसेकरन

(अन्तरक)

(2) श्री गोविन्दराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, एस० सं० 12 में 1-52 1/2 एकड़।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 22 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

निदेश सं० 4344/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-10-25 ए और 3-10-25 सी ईस्ट स्ट्रीट मेट्रोपालियम (आधा भाग) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेट्रोपालियम (डाकुमेण्ट 690/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) श्री एम० मोहमद शेरिफ और ई० आघिसा बीबी

(अन्तरक)

(2) कादर मोहैदिन (मैनर) (एस० मोहमद हनिफा के द्वारा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मेट्रोपालियम, ईस्ट स्ट्रीट, डोर सं० 3-10-25 ए और 3-10-25 सी में 5-1/4 सेण्ट (मकान के साथ) ।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 22 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 22 फरवरी 1978

निदेश सं० 4354/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 6, मुतु तेलप्प गौण्डर स्ट्रीट, ईरोड में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I ईरोड (डाकुमेण्ट 1660/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—506G/77

(1) श्रीमती शन्मुगवल्लि आचि

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री 1. मीनाशिसुन्दरम
2. एम० वीरप्पन
3. करुप्पन चेट्टियार
4. एम० सामिनाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2C-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईरोड, मुतुतेलप्प गौण्डर स्ट्रीट, डोर सं० 6 में भूमि और मकान।

के. पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 22 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 5619/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्न, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित है (और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, मद्रास नार्थ (डाकुमेंट 344/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनायकरमु;
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि
(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० हाजा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9954 स्कुयर फीट में 1/4 भाग, तीसरा फ्लोर में 4250 स्कुयर फीट। (प्लॉट सं० 8 और 9 ए; डोर सं० 5 ग्रीम्स रोड, मद्रास)

के० पोन्न
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 28 फरवरी 1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निवेष्ट सं० 5619/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 8 और 9 ए डोर सं० 5,
ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, जे० एस० आर० I मद्रास नार्थ (डाकुमेण्ट 345/77)
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाल्लकरसु;
श्री एम० आनन्दन, नं० 1 फर्स्ट लिंक स्ट्रीट सी आई
टी कलोनो मद्रास-4 श्री टी० गोविन्दसामि
नं० 62 बी. मोन्नेय रोड, मद्रास-18

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० मोहमद जबार
पुत्र स्व० श्री के० ई० अदम, नं० 124, अनगप्पा
नाईकेन स्ट्रीट, मद्रास-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9954 स्क्वायर फीट में 1/4 भाग; दूसरा पल्लो में
4250 स्क्वायर फीट; (प्लॉट सं० 8 और 9 ए; डोर सं०
5, ग्रीम्स रोड, मद्रास)।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज II मद्रास

तारीख : 28-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 5619/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 8 और 9 ए डोर सं० 5, ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I मद्रास नार्थ (डाकुमेण्ट 346/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुखेस नायकर, एम० तिरुताउक्करसु; एम० आनन्दन नं० 1 फर्स्ट लिंक स्ट्रीट सी आई टी कलोनी, मद्रास-4 और टी० गोविन्दसामि नं० 62 बी, मोन्नेश रोड, मद्रास-18

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अस्सिना

पत्नी श्री के० ए० सुलेमान नं० 124 अनगप्पा नार्थकेन स्ट्रीट, मद्रास-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9954 स्क्वयर फीट में 1/4 भाग; पहला पलोर में 4250 स्क्वयर फीट (प्लॉट सं० 8 और 9 ए; डोर सं० 5; ग्रीम्स रोड, मद्रास)।

के० पोन्नन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 28 फरवरी, 1978

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी 1978

निदेश सं० 5619/जून/77—यतः मुझे के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० प्लॉट सं० 8 और 9 ए डोर सं० 5 ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० I, मद्रास नार्थ (आकुमेंट 347/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुन्गोस नायकर, एम० तिरुनाउवकरसु; एम० आनन्दन; टी० गोविन्दसामि

(अन्तरक)

(2) श्री के० ए० सुर्लमान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9954 स्क्वायर फीट में 1/4 भाग। ग्राउण्ड फ्लोर में 4250 स्क्वायर फीट। (प्लॉट सं० 8 और 9 ए) (डोर सं० 5 ग्रीम्स रोड, मद्रास)।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 28 फरवरी, 1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० 5649/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्न,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 11 और 12, डोर सं०
5, ग्रीम्स रोड, मद्रास में स्थित है) और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास 'आकुमेंट 381/
77' में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक जून 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर; एम० तिरुनाडकरसु;
टी० गोविन्दसामि; एम० आनन्दन
(अन्तरक)

(2) लावा आफ सेट प्रैस
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

'प्लॉट सं० 11 और 12 में 1/12 भाग। पहले प्लोर
में 3425 स्क्वयर फीट।

(डोर सं० 5; ग्रीम्स रोड, मद्रास।

के० पोन्न
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 27 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 फरवरी 1978

निदेश सं० 5653/जून/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिस की सं० 2, बथिवयराम अय्यर स्ट्रीट, मद्रास-17
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर,
मद्रास (डाकुमेण्ट 414/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) 1. एस० घनेश अय्यर;

2. एस० कृष्णमूर्ति ; 3. कमला कृष्णमूर्ति,
4. एस० गौरि, 5. श्रीमती गान्दिरामन;
6. मैतिलि कौल, और 7. वी० सुब्रमनियम।

(अन्तरक)

(2) 1. पी० बि० लक्ष्मन सा एण्ड बदर्सी;

2. पी० बि० दुलसि सा;
3. पी० बि० लक्ष्मन सा;
4. पी० बि० कस्सी सा;
5. पी० टी० हिरू सा; और
6. पी० के० नायन सा;

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

मद्रास 17, टी० नगर, बथिन्य राम अय्यर रोड,
सं० 2 में 5 ग्राउण्ड (मकान के साथ)

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 27 फरवरी 1978

मोहर:

प्रकट आई० टी० एन० एल०—

(1) श्री वेन्कट चौधरि

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) मद्रास कैमिकल्स एण्ड पालिस्टर्स प्राईवेट लिमिटेड।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 फरवरी 1978

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

निदेश सं० 5655/जन/77-यतः मुझे के० पोन्नन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 60/3 है तथा जो आकटि रोड, मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटुम्बाक्कम (डाकुमेंट 766/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जून 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब थाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य धास्तिवों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, आकटि रोड, सं० 60/3 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 27 फरवरी 1978

सोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) सि० एच० अमराबाबु मसुला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 603—यतः मम्रे एन० के० नागराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 22/412 है, जो मसुला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मसुला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-6-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

7-506G1/77

(2) पालकुर्ती श्रीरामुलु मसुला ।

(अन्तरिती)

(3) रत्ना टिबर डिपो (2) एंगिकलचरल आफीसर मसुला

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मन्चलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 15-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज 1881/77 में निगमित अनुसूची सम्पत्ती ।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 604—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 22/412 है, जो मसुला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मसुला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घोषित :—

(1) श्री सि० एच० अनंदबाबु मसुला

(अन्तरक)

(2) श्री पि० श्रीमसुला मसुला

(अन्तरिती)

(3) (1) रत्ना टिंबर डिपो (2) एग्रिकलचरल आफिसर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2267/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 14 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकिनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

सं० 605—यतः मुझे एन० के० नागराजन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269B
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की सं० 22/412 है, जो मसुला में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मसुला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 18-6-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्त्रियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने की
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सि० एच० सिद्धाधरो मसुला
(अन्तरक)
- (2) श्री पि० श्री रामुलु मसुला ।
(अन्तरिती)
- (3) (1) रत्नाटिबर डिपो (2) एग्रिकल्चरल आफीसर
मसुला
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टाचारकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

मचलीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पौक्षिक अंत
30-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2046/77 में
निगमित अनुसूची संपत्ति ।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 14 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 फरवरी 1978

निर्देश सं० 606—यतः— मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० 22/412 है, जो मसुला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मसुला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:—

(1) भीमती एच० लक्ष्मी देवी मसुला

(अन्तरक)

(2) श्री पि० श्रीरामलु मसुला

(अन्तरिती)

(3) (1) रत्ना टिंबर डिपो

(2) एग्रिकलचरल आफीसर मसुला

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राथेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मन्त्रीपटनम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अंत 31-7-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 2786/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 14 फरवरी 1978

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 16 फरवरी 1978

सं० 609—यतः मुझे एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 9-5-54 है, जो रसीपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रसीपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 1-6-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धम या अन्य धास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- | | | |
|-----|------------------------------|--------|
| (1) | 1. टि० क्षीरसागर समी | नरसपुर |
| | 2. श्री टि० राजेन्द्र प्रसाद | |
| | 3. श्री टि० विष्णु प्रसाद | |
| | 4. श्री टि० रूफराम प्रसाद | |

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स सिकली नरसपुर (अभी हात्कांग में है)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धर्म्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नरसपुर रजिस्ट्री अधिकारी से पॉक्षिक अंत 15-6-77 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1444/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 16 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 216/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 8-2-226 ता: 230 है, जो रैंड क्रास रास्ता कलाक टावर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रसूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

(1) श्रीमती मेरसी मुरीयल बेंबल पत्नी मेजर देसमान्य बदल रोटज हाऊस हीमायत नगर, हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री एल० करसन दास पुत्र लदाभाई 8-2-226 ट रैंड क्रास रास्ता कलाकटावर के पास सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर न० 8-2-226 ता 230 (पुराना न० 73/ए/1) रैंड क्रास रास्ता कलाक टावर के पास सिकन्द्राबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 850/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9 फरवरी 1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 217/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० मलगी न० 57-58 है, जो 1-7-239/22 एस डी० रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-12-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गंगाराम किशम चन्द घर नं० 1-3-234 से 241 सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद (अन्तरक)

(2) बोपना धेनु घर नं० 225/ए मारेडपली 2. श्री हुरगराज रानगाराउ भीमावारम मधोगा ताल्लुक जिला—खम्म इस समय हैदराबाद में कोनडापली प्रभुकुमार 1-9-285/4/3 विद्यानगर 3. हैदराबाद-44। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 57 और 58 (पुराना नं० 1-7-239/21 और 1-7-239/22) नीचेका सहा-चन्द्रालोक का घर नं० 1-7-234 से 241 सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद में।

के० ए० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9-2-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 218/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 3-6-361/18 है, जो हीमायत नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए० शनता वरमा रेड्डी पुत्र ए० बीरा रेड्डी जमींदार अन्नारम गांव-नरसापुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० आर० विजयकुमार पिता राजेश्वर राउ घर नं०-3-6-361/13 लेडी हैद्री क्लब के पीछे हीमायत नगर, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दूसरा मंजिला घर नं० 3-6-361/18 लेडी हैद्री क्लब हीमायत नगर, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1469/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-2-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० 219/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 3-5-1097 है, जो नारायनगुडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—506GI/77

(1) श्रीमती हसमाथुन्नीसा बेगम पत्नी एजाज मोहम्मद-खान, घर नं० 3-5-1098 नारायनगुडा हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती कोबेला शानता पत्नी एन० वी० सूर्या-नारायणा राउ घर नं० 3-5-267 वीटलवाडी नारायनगुडा हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-5-1097 नारायनगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री कार्यालय वस्तावेज नं० 1536/77 उप रजिस्ट्रार हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-2-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 220/77-78—यतः मुझे, के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 140/11 है, जो तीरुमला तिरुपति में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीरुपति में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. श्री पान्डुरन्ना रामाचारयुलु पुत्र श्री निवासाचारयुलु
2. श्री श्रीनिवासामूर्थी, 3. श्री माधवा, 4. श्री जयाधीरथ, नवालिग जी० पी० ए० रामाचारयुलु पिता, सभी निवासी शिवासी स्ट्रीट, मंगलागिरीपट, धारवाड़, कर्नाटक।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलाक्षी पदमावाथम्मा पत्नी श्री के०एम० कृष्णदया व्यापार, तिरुमाला, तीरुपती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर सं० 140 पश्चिमी मादा गली तिरुमला, तिरुपति रजी० की गई है दस्तावेज नं० 1186/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय तिरुपति में।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 9 फरवरी 1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 फरवरी 1978

निर्देश सं आर० ए० सी० नं० 221/77-78—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन),

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 140/11 है, जो तीरुमला तिरुपति में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीरुपति में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-6-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त बहि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री पांडुरंगा रामाचार्यलू सुपुत्र श्रीनिवासाचार्यलू 2. श्री श्रीनिवासाचारी 3. माधवा 4. जयातीर्थ पिता उसका तीगरावीकार—शिवाजी गली मनगलशीरीपेटा धारवार करनाटका

(अन्तरक)

(2) श्री के० एम० कृष्णया पिता कमलामुना स्वामी, तीरु-माला—गांव, तीरुपति

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्रावणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 11/140 तीरुपति गली तीरुमला गांव, तीरुपति रजिस्ट्री की दस्तावेज नं० 1187/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपति में।

के० एस० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 9-2-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 222/77-78-यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 661-2 है, जो कदीरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कदीरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रामाचैन्नय्या चेटी, पोस्ट आफिस रोड कदीरी। 2. श्री वी० अब्दुल सुबान साहब, पोस्ट आफिस रोड, कदीरी।

(अन्तरक)

(2) 1. अम्बी आदीमूरती चन्कुपेलिम गली कदीरी
2. श्री अगैसम वीरप्पा पिता सुबय्या रेलवे स्टेशन रोड, कदीरी हिन्दपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट का वर्णन 2372 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 661-2 कदीरी में है। रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1945/77 उप रजिस्ट्री कदीरी में।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 223/77-78—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 7 है, जो करमकमबडी गांव में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तीरुपति में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जून, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री बेनगुडी बेनुगोपाल रेलवे स्टोनपैट गोविन्दा
राजु मुडालीयार गली, रेनुगुनटा चीतूर—जिला
(अन्तरक)

(2) मिसेस पी०आर० गोपाल कृष्ण रेड्डी कम्पनी पी०आर०
गोपाल कृष्णा, 4-1-917 तिलक रोड, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सुकी जमीन सर्वे नं० 7 करमकमबडी गांव चन्द्रागिरी तालुक
चित्तूर जिला वर्णन 9.44 एकड़ दस्तावेज नं० 1207/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपति में।

के० एस० वेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 224/77-78—यतः,
 मुझे, के० एस० वेंकट रामन,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
 इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2-3 43/बी है, जो गगनमहल, हैदराबाद
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
 दिनांक 6-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
 का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री चेलाराम्या घर नं० 3-6-369/बी/4 हिमायत
 नगर, हैदराबाद
 (अन्तरक)
- (2) श्री तूनु श्रीनिवास रेड्डी पिता टी० वेंकटरामा रेड्डी,
 घर नं० 4-1-738/1 मोजामजाही मारकोट, हैदराबाद
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
 अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
 किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
 है।

अनुसूची

खुली जमीन नं० 1-2-343/बी गगन महल, हैदराबाद
 में वर्णन 580 वर्ग गज रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 1403/77
 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10 फरवरी 1978
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 225/77-78—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० 6-3-550/3 है, जो सोमाजीगुडा में स्थित हैदराबाद, है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खैराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात् :—

(1) श्रीमती जुवेदाबेगम पती श्री यासीन अली खान,
हैदराबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्री ताराचन्द सीलानकी घर नं० 6-3-550/3
सीमाजीगुडा, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 6-3-550/3 सोमाजीगुडा हैदराबाद, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1410/77 उप-रजिस्ट्रार हैदराबाद में ।

के० एस० वेंकटरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10 फरवरी 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 226/77-78—यतः, मुझे,
के० एस० वेंकट रामन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिस की सं० 10-3-696 है, जो विजय नगर कालोनी
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 10-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री के० बचराज पिता किशनलालजी घर नं० 4-1-
1055 धोगुलकुटा, हैदराबाद
2. श्रीमती एस० ग्रेस अलबर्ट जोहन एच० नं० पती
एस० अरबर्ट 20-3-696 विजयनगर कालोनी,
हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यू० तेरसम्मा पती यू० शीर रेड्डी, वेलीगोन्डा,
पोस्ट महबूबनगर-जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 10-3-696 विजयनगर कालोनी, हैदराबाद दस्तावेज
नं० 1447/77 उप रजिस्ट्रार कार्यालय खैरताबाद में

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० नं० 227/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 6-3-609/141 है, जो आनन्द नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-6-77 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9-506GI/77

- (1) श्रीमती सोमेश्वरी पति के०एस० रेड्डी श्री पी०ए०एम० के० पाशा 1सी-36-येयेममनजील कालोनी हैदराबाद
2. के० एस० एन० रेड्डी डिवीजनल इंजीनियर ए० पी० ए० सी० श्रीकाकुलम
3. के० अपलास्वामी 4. के० एस० प्रासाद राउ
5. के० वी० रमनामूर्ती

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती के० मानेम्मा घर नं० 6-3-609/141 आनन्दनगर 2. के० नरसीमलू 6-3-609/141 आनन्द नगर, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध रु समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-3-609/141 आनन्द नगर हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1589/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय खैरताबाद

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

आर० ए० सी० नं० 228/77-78-अयतः मुझे के० एस०
बेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 1483 है जो जेतगम बाजार में स्थित है (और
इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जन 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री काकला अनसुजाबादु पती के० नारायना घर नं०
6987 राजामुदीलीयार सिकन्दराबाद
2. के० नारायना 1987 वही पता
(अन्तरक)

(2) मीसी पेरूमल और कम्पनी उसका पार्टनर नरेशकुमार
21-1-588 रेकाबगंज हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 1483 (3-4-351) जेतगम बाजार सिकन्दराबाद
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 939/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद
में

के० एस० बेंकटरामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978

आर० ए० सी० 229/77-78-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिस की सं० 1-10-52 है, जो बेगमपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कोलम जनार्दन रेड्डी घर नं० 1-10-52 बेगमपेट सिकन्द्राबाद नलगोन्डा जिला

(अन्तरक)

(2) श्री साम अन्ता रेड्डी पिता मारा रेड्डी आमदापुर गांव चेवेला हैदराबाद घर नं० 1-10-52 बेगमपेट हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-10-52 (पुराना नं० 82) बेगमपेट सिकन्द्राबाद 1115 वर्ग यार्ड विस्तरेण है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 840/77 उपरजिस्ट्रार सिकन्द्राबाद में

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 230/77-78—यतः मझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० 3-4-349 से 350 है, जो तबाकुबाजार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रैल 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री वेमुला विश्वनाथम पुत्र वी० नागन्ता
घर नं० 7-2-103 साजनलाल गली सिकन्दराबाद
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शकुन्तलाबाई पत्नी सत्यानारायणा शर्मा घर
घर नं० 21-2-93 चारकमान शमबाई, लेन, हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगो नं० 3-4-349 और 3-4-350 (पुराना नं० 1483)
तबाकु बाजार सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1116/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक: 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० आर० एस० सी० 231/77-78-यतः मुझे के० एस०

वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिस की सं० प्लॉट नं० 1 है, जो श्रीनगर कालोनी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
1-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री पी० के० अमर घर नं० 140 श्रीनगर कालोनी
हैदराबाद
(अन्तरक)

(2) श्री के० केशव राउ प्लॉट नं० 1 केशवनगर कालोनी
में श्रीनगर कालोनी हैदराबाद
(अन्तरिती)

(3) लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन इन्डिया हैदराबाद
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

यन्त्रस्थ

नया तामीर घर नं० -1 केशवकवापरेटु हाउसिंग सोसाइटी
श्रीनगर कालोनी हैदराबाद रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 1382/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हैदराबाद

दिनांक: 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० नं० 232/77-78—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिस की सं० 3/139 आधा भाग है, जो गोदलूर गांव धरमावरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनन्तापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-6-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1. श्री रेनीगुन्टा शेषय्या 2. आर० एस० कृष्णय्या 3. आर० अस्वतनारायन 4. आर० एस० नागराजु 5. आर० वेंकटरत्नम 6. आर० रविन्द्रनाथ चेन्नाकेशवस्वामी टेम्पल धरमावरम अनन्तापुर जिला। (अन्तरक)

(2) रेनीगुन्टा रत्नम 2. श्रीमती राजम्मा पत्नी रत्नम 3. आर० वी० अस्वातानारायन 4. आर० मल्ली-कारजुन राउ, धरमावरम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग मिल में दरवाजा नं० 3/139 गोदलूर गांव धरमावरम तालुक अनन्तापुर जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 491/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय में

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज हैदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 फरवरी 1978

सं० आर० ए० सी० 233/77-78—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 422 है, जो तीरुपति में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तीरुपति में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री कोतापली रामाकृष्णा चेट्टी 2. श्रीमती के०
कमलम्मा पत्नी के० रामाकृष्णा चेट्टी 3. रामकृष्णा-
रामन 4. रामाकृष्णाकृष्णन 5. रामा कृष्ण श्री-
निवासन डी० आई० जी घर विशाखापट्टनम ।
(अन्तरक)

(2) श्री पारपली वेनकटा सुबय्या सुपरीनटेन्डेंट टी० टी०
डी० देवस्थानम गोविन्द राज नगर तीरुपति ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेकेंट साइट 528 वर्ग यार्ड टी० एस० नं० 472 तोयंकट्टा
18 वार्ड गांधीनगर तीरुपति रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1073/77
उप रजिस्ट्री कार्यालय तीरुपति में

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 10 फरवरी 1978
मोहर :

प्रहुर आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1300/77-78—अतः मुझे, एन० एस० चोपड़ा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिस की सं० जी-1 है तथा जो माडल टाउन दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसारण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 249ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कान्ता जैन पत्नी श्री प्रदमन कुमार जैन, निवासी 3/52, रूप नगर, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री हरबंस सिंह, (2) हरबिन्द्र सिंह, सुपुत्र श्री बेअन सिंह निवासी 3/3 सिंहसभा रोड, सब्जी मण्डी, दिल्ली (अन्तरिती)

(3) मैसर्स रेगुना लेस्टोरेट (2) श्रीमती स्वर्ण कान्ता, (3) श्री मलकियत सिंह (4) श्री उधम सिंह (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक व्यावसायिक अचल सम्पत्ति जो कि तीन तरफ खुले 500 वर्ग गज फ्रीहोल्ड प्लॉट की भूमि पर बनी है और प्लॉट नं० जी-1 माडल टाउन दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर—मकान नं० जी-2

दक्षिण—रोड

पूर्व—रोड

पश्चिम—सधिस लेन

एन० एस० चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक: 7 मार्च 1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1-दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/61 जून 1(6)/77-78—अतः मुझे जे० एस० गिल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिस की सं० सी-132 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

10—506GI/77

(1) श्री कुलवीर सिंह मारा पुत्र श्री दारा सिंह निवासी 23 हैबलोक रोड़, कानपुर केन्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्री राज चोपड़ा पुत्र श्री के० सी० चोपड़ा निवासी एस-210 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्री होल्ड जमीन का प्लॉट नं० सी-132 जिसका क्षेत्रफल 310.2 वर्ग गज है जोकि ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—प्लॉट नं० सी 130

पश्चिम—प्लॉट नं० 134

उत्तर—रोड़

दक्षिण—सर्विस लेन

जे० एस० गिल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 मार्च 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/679(7)/77-78—

अतः मुझे, ए० एल० सूद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 13/29 है तथा जो मुन्यु० नं० 10615 नाई वाला, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-6-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गुरदीप कौर सुपुत्री श्री त्रिलोक सिंह निवासी 11/10 पुसा रोड नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शोभा रानी पत्नी श्री बी० डी० मेहरा निवासी ए-4 ग्रेटर कैलाश एनक्लेव पार्ट-II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जायदाद नं० 13/29 मुन्युसिपल नं० 10615, नाई वाला करोलबाग नई दिल्ली क्षेत्रफल 280 वर्ग गज जिसका प्लॉट नं० 29 ब्लॉक नं० 13 (डब्ल्यू ई० ए०) खसरा नं० 1531/1147 पर 2. 1/2 मंजिला जायदाद जाहिर की गई है तथा निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व—मकान नं० 30

पश्चिम—मकान नं० 28

उत्तर—सर्विस लेन

दक्षिण—गली

ए० एल० सूद

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 7 मार्च 1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली मार्ग,

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्चू० 1/एस० आर० 3/जून
1(8)/77-78—अतः मुझे, जे० एस० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिस की सं० एस-67 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-
1977 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स एटलस ओवरसीज (प्रा०) लि० ई-1/2
झंडेवाला एक्सटेंशन-नई दिल्ली-5।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री परिपाओ पत्नी श्री पी० एल०
परिमाओ "गिरधर" निवासी 30 सोरभ सोसायटी, झाईवईन
रोड़ अमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का प्लॉट नं० एस-67 जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज
जो कि फीहोल्ड कालोनी ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पीछे—सर्विस लेन

बायें—प्लॉट नं० 66

दायें—प्लॉट नं० 68

आगे—40 फुट चौड़ी सड़क

जे० एस० गिल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 3 मार्च 1978

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

The 23rd February 1978

New Delhi-110011, the 28th February 1978

No. P-1776/Admn.II.—Shri K. S. Nayak, formerly, Lecturer, Computer Science Unit, Indian Statistical Institute, Calcutta, who was earlier appointed as Programmer (the post since re-designated as Senior Programmer) in the office of the Union Public Service Commission w.e.f. 2-3-76 to 28-2-78 vide this office notifications of even number dated 27-3-76, 9-6-76, 23-2-77 and 23-9-77, has been allowed to continue in the said post for a further period of two months w.e.f. 1-3-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 13th February 1978

No. A.32014/1/78-Admn.III(1).—In continuation of this office notification No.A.32014/77-Admn.III, dated 19-1-78, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 11-2-78 to 28-2-78 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 3rd February 1978

No. A-11/1/78.—The following Assistant Enforcement Officers are appointed to officiate as Enforcement Officers with effect from 26-12-77 and until further orders.

Their places of postings given below :—

S. No.	Name	Place of postings
1	Mrs. Mary Kutty Thomas	Enforcement Dte., II, Qrs. office, New Delhi,
2	Shri K.A. Kuruvilla	Enforcement Dte. Bombay Zonal office, Bombay,
3	Shri B.S. Guha	Enforcement Dte., Calcutta Zonal Office, Calcutta

J. N. ARORA
Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 22nd February 1978

F. No. P-70/67-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri P. C. Srivastava, an I.P.S. Officer of Madhya Pradesh Cadre as A.I.G. in the Central Bureau of Investigation with effect from 1-2-78 (F.N.) on his repatriation from Shah Commission of Inquiry.

F.No. A-19015/2/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri Narendra Verma, Section Officer of Ministry of Home Affairs as Section Officer in the Central Bureau of Investigation (S.P.E.) New Delhi with effect from 13-2-78 (F.N.) until further orders.

No. A-31014/2/77-Ad. 1.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, CBI and IGP, SPE, hereby appoints Shri K.S. Mathai, Substantively to the post of Office Superintendent in CBI, Department of Personnel and AR, with effect from 1st December, 1977:—

Sl. No.	Name	Present place of posting	Grade in which already permanent with date of confirmation in CBI	Branch wherein lien kept on the permanent post of O.S.
1	Shri K.S. Mathai	Bombay	Head Clerk cum Accountant 12-5-1971	Head Office

The 24th February 1978

F.No. N-34/65-Ad.V.—The Services of Shri N. V. Jadeja, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, CIU(I), New Delhi (with Head quarters at Ahmedabad) has been placed at the disposal of the State Government of Gujarat with effect from the afternoon of 10-1-78.

A. K. HUI
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 24th February 1978

No. O.II-979/74-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. Sanjoy Kumar Ray, Jr. Medical Officer (GDO; Grade-II) 38th Bn., CRPF with effect from the afternoon of 31st January 1978.

No. O.II-1046/76-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Koshy Eapen as Junior Medical Officer in the CRPF, on an ad-hoc basis for a period of 3 months only with effect from forenoon of 1-2-78 or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1081/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Vijay Kumar Kodali as General Duty Officer, Grade II (Dy. S. P./Coy. Comdr.) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13-2-78 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 21st February 1978

No. E.16014(1)/18/73-Pers.—Shri V. V. Sardana relinquished the charge of the post of Commandant Bombay Air Port with HQrs at New Delhi with effect from the afternoon of 25th January 1978 and assumed the charge of the post of Asstt. Inspector General (Personnel), CISF HQrs, New Delhi with effect from the same date.

No. E-28013/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation, Shri G. R. Khosla relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Training Reserve No. 1 & 2, New Delhi with effect from the afternoon of 31st January 1978.

No. E-28013/1/78-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri T. P. Basu, relinquished the charge of the post of Commandant, CISF Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the afternoon of 31st January 1978.

L. S. BISHT, Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL

New Delhi, the 25th February 1978

No. 25/60/72RG(Ad.I).—Shri B. Ghose relinquished charge of the office of the Director of Census Operations, West Bengal, held by him in ex-officio capacity, on the forenoon of 1st February, 1978.

P. PADMANABHA
Registrar General

New Delhi, the 25th February 1978

No. 2/1/75 (Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri H. Majumdar as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Tripura, with his headquarters at Agartala, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 6th February, 1978, until further orders.

2. Shri Majumdar has been allowed "notional" promotion as Deputy Director of Census Operations, with effect from 1-10-1975, the date on which Shri B. Narasimha Murthy, his next junior in the grade of Assistant Director of Census Operations (Technical), was promoted as Dy. Director of Census Operations.

BADRI NATH
Dy. Registrar General &
ex-officio Dy. Secy.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 17th February 1978

No. 6/77/A/M.—The following amendment is made to the Draft Gazette Notification No. 5/77/A/M issued under No. 375/A/M dt. 26-12-77.

Against Sl. No. 5 Factory

For : Ammunition Factory, Kirkee.

Read : Ordnance Factory, Khamaria.

No. 7/77/A/M.—The following amendment is made to the Draft Gazette Notification No. 4/77/A/M issued under No. 375/A/M dt. 26-12-77.

Against Sl. No. 8 Factory

For : Ordnance Factory, Bhusawal.

Read : Ordnance Factory, Varanagon.

No. 8/77/A/M.—The following amendment is made to the Draft Gazette Notification No. 2/77/A/M issued under No. 375/A/M dt. 29-12-77.

Against Sl. No. 11 Date

For : 29-9-77.

Read : 27-8-77.

A. K. GUPTA

Lt. Col.

DDHS

for Director General, Ordnance Factories
(DHS on leave)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS,

New Delhi, the 24th February 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
ESTABLISHMENT

No. 6/502/56-Admn(G)/1874.—The President is pleased to appoint Shri I. V. Chunkath, an officer permanent in Grade

1 of the CSS in the Selection Grade of that service for the period from 1-9-1977 to 17-10-1977.

2. The President is also pleased to appoint Shri I. V. Chunkath, as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, for the aforesaid period.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 18th February 1978

N. CLB I/1/6-G/77.—In exercise of the powers conferred on me by clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71 dated the 13th January 1972, namely :—

In the Table appended to the said notification against S. No. 12 for the existing entries in columns 2, 3 and 4 the following shall be substituted namely:

1	2	3	4
"12 (i)	Director of Industries, Punjab	Punjab	12(6), 12(6A), 12 (7A), 12 (7AA), 12C and 12E
(ii)	State Textile Officer, Punjab	Do	Do
(iii)	Joint Director of Industries, Punjab	Do	Do
(iv)	Assistant Director of Industries, Punjab	Do	12(6) and 12C
(v)	Textile Officer, Marketing and Development, Punjab, Amritsar	Do	12(7A)
(iv)	Senior District Industries Officers/ All District Industries Officers/ Project Officers (Ind) in charge of Districts	In their respective districts in Punjab	12(6), 12(7A) & 12C"

No. 18(1)/77/CLB II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2) 67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely :—

In the Table appended to the said Notification, against serial No. 12, the existing entries under columns 2, 3 and 4 shall be substituted by the following entries, namely :—

1	2	3	4
"12 (i)	Director of Industries, Punjab	Punjab	6, 6C, 7A, 8 & 8A
(ii)	State Textile Officer, Punjab	Do	Do
(iii)	Joint Director of Industries, Punjab	Do	Do
(iv)	Assistant Director of Industries, Punjab	Do	6 and 7A
(v)	All Senior District Industries Officers/ All District Industries Officers/Project Officers (Industries) in Charge of Districts	Within their respective jurisdiction in Punjab	6 and 7A

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 22nd February, 1978

No. A-1/1(423).—The President is pleased to appoint Shri Bharat Bhushan, an officer of Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A' in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') on *ad hoc* basis in the same Directorate General at New Delhi from the forenoon of the 9th February, 1978 and until further orders.

The 23rd February 1978

No. A-1/42(41)/IV.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers substantively to the grade of Assistant Director (Grade I) (Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A') with effect from the date indicated against the name of each officer :—

*S.No., Name of the Officer, Present post held,
Date from which confirmed, Remarks*

S/Shri

1. R. G. Badlani, Dy. Director, 31-1-1969.—
2. Shyam Kishore Mallick Dy. Director, 31-1-1969.—
3. Raman Asstt. Director (Grade I), 30-3-1971.—
No. A-1/1(648).—On proceeding on leave, Shri M. Sundaraman, officiating Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi reverted as Deputy Director (Grade II of ISS) with effect from 9-12-1977 (A.N.).

2. The President is pleased to appoint Shri M. Sundaraman, Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals to officiate on *ad hoc* basis as Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 1st February, 1978 and until further orders.

The 27th February 1978

No. A-1/1(1080).—On the recommendations of the U.P.S.C., the Director General of Supplies & Disposals hereby appoints the following officers to officiate as Assistant Director (Grade II) (Training Reserve) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of the 1st February, 1978 and until further orders :—

1. Shri C. Arumugam.
2. Shri S. K. Chattopadhyay.

(ADMN. SEC. A-6)

The 23rd February 1978

No. A6/247(459).—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri O. N. Lashkari, Examiner of Stores (Engg.) in the N. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting officer (Engg.) in the Calcutta Inspectorate w.e.f. the forenoon of 18th January, 1978 purely on *ad hoc* basis until further orders.

No. A/17011/123/77-A6.—Shri S. Sen, Asstt. Inspecting Officer (Met.) of the office of Dy. Director of Inspection (Met.) Durgapur under Burnpur Inspectorate expired on 15-1-78.

No. A6/247(618).—Shri S. C. Mehan, Asstt. Inspecting officer (Engg.) of the office of Director of Inspection, Northern Inspection Circle, New Delhi under this Directorate General expired on 3-1-1978.

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposals

New Delhi, the 18th February 1978

No. A6/247(261)/71-III.—Shri S. K. Sircar permanent Asstt. Inspecting Officer (Met.) and officiating Asstt. Director of Inspection (Met.) in Grade III of IIS (Class I) Met. Branch in the office of the Director of Inspection (Met.) Burnpur under this Dto. General expired on 30-1-78.

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPTT. OF MINES

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 21st February 1978

No. 1477/B//2181(GNS)/19B.—Shri G. N. Sachan, Assistant Chemist Geological Survey of India is released from the services in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 14-9-77 for joining his new appointment in Mineral Exploration Corporation Ltd., as Chemist.

The 23rd February 1978

No. 1657/B/2181(DM)/19B.—Shri Dinabandhu Misra, Assistant Chemist, Geological Survey of India is released on resignation from the services in the Geological Survey of India with effect from the forenoon of 23-11-1977 for joining his new appointment as Chemist in the Hindustan Steel Limited, Rourkela.

V. S. KRISHNASWAMY

Director General

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 17th February 1978

No. A-31014/2/77-SV.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. S. Nagarcencar, a permanent Administrative Officer (Junior Grade) All India Radio, and presently working as Deputy Director (Accounts), Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay in a substantive capacity in the post of Inspector of Accounts in Directorate General; All India Radio with effect from the 1st, March, 75.

S. V. SESHADRI

Dy. Director of Administration,
for Director General.

New Delhi, the 23rd February 1978

No. 4(30)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kumar Chatterjee as Programme Executive, All India Radio, Rajkot in a temporary capacity with effect from 31st January, 1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ

Dy. Director of Administration,
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 22nd February 1978

No. A.19020/26/76-Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri T. N. Kuppuswami, Administrative Officer, Willingdon Hospital, New Delhi, retired from Government service on the afternoon of the 31st January, 1978.

S. L. KUTHIALA

Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

OFFICE OF THE DIRECTOR, INTEGRATED FISHERIES PROJECT

Cochin-16, the 16th January 1978

No. A2/7-110/65.—Shri K. S. George Vincent, Supervisor (Electrical) is appointed as Assistant Engineer (Electrical), GCS-Class II (Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Integrated Fisheries Project in a temporary capacity with effect from the Forenoon of 28-10-1977.

B. KRISHNAMURTI

Director

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP, the 16th January 1978

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Y. R. Velankar, a temporary Assistant Accountant in TAPS as Assistant Accounts Officer in the same Power Station on a purely *ad hoc* basis with effect from 16-11-1977 until further orders.

A. D. DESAI

Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 1st February 1978

No. RRC/PF/3056/78-3122.—Consequent upon his transfer from the Centralised Waste Management Facility of the Bhabha Atomic Research Centre, Kalpakkam, Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri Ramaswamy Narayanan, an officiating Assistant Personnel Officer of the Centralised cadre of Assistant Personnel Officers/Assistant Administrative Officers of the Department of Atomic Energy as an Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre in a temporary capacity, with effect from the forenoon of January 21, 1978 until further orders.

R. H. SHANMUKHAM

Administrative Officer
for Project Director

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SHAR CENTRE

Sriharikota, the 16th December 1977

No. SCF : P&GA : Estt : 1.72.—The Director is pleased to appoint on promotion Shri Ch. Bhaskara Subba Rao to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1977 until further orders.

R. GOPALARATNAM

Head, Personnel and General Administration
for Director

Sriharikota, the 27th January 1978

No. SCF:P&GA:Est-1.72.—The Director is pleased to appoint on promotion Shri P. Natarajan, to the post of Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st October, 1977 until further orders.

R. GOPALARATNAM,

Head, Personnel and General Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 24th February 1978

No. F(1)04185.—On attaining the age of superannuation Shri A. C. Paul, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, retired from the Govt. service with effect from the afternoon of 31st January, 1978.

G. R. GUPTA,

Meteorologist (Establishment),
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 18th February 1978

No. A.35018/2/78-E.I.—The President is pleased to appoint Shri T. V. Rajeswar, I.P.S. (AP : 1949) as Civil Aviation Security Co-ordinator in the Civil Aviation Department in the pay scale of Rs. 2500-125/2-2750, for a period of one year in the first instance with effect from the 18th January, 1978.

P. C. JAIN,

Assistant Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 17th February 1978

No. A.32013/2/77-E.I.(i).—The President is pleased to appoint Shri V. Ramasubramanyam, Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department to the post of Director, Planning & Evaluation in the Communication Directorate of Civil Aviation, on *ad-hoc* basis with effect from 31-1-1978 (afternoon), for a period of one year or till regular appointment to the post of Director, Planning & Evaluation is made, whichever is earlier.

No. A.32013/2/77-E.I.(ii).—The President is also pleased to appoint Shri J. S. Kapur, Deputy Director, (Tariff Examinations) to the post of Director, Training & Licensing, Civil Aviation Department, on *ad-hoc* basis with effect from 31-1-1978 (afternoon), for a period of one year or till the post of Director, Planning & Evaluation in the Communication Directorate, is kept filled by transfer on *ad-hoc* basis, whichever is earlier.

P. C. JAIN,

Assistant Director of Administration

New Delhi, the 13th February 1978

No. A.39012/2/77-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. K. Tandon, Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Bombay with effect from the 27-10-77 (AN).

The 21st February 1978

No. A.32013/16/76-EC.—The President is pleased to appoint the following three Assistant Communication Officers at present working as Communication Officer on *ad-hoc* basis, as Communication Officer on regular basis in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department with effect from the 12-12-1977 (FN) and until further orders at the station indicated against each :—

S. No., Name, Office and Station of Posting

1. Shri J. N. Lance—Regional Controller of Communication, Sufdarjung Airport, New Delhi.
2. Shri B. A. Belliappa—Officer-in-charge, A.C.S. Bangalore.
3. Shri K. S. Gopalan.—The Controller of Communication, ACS, Madras.

The 23rd February 1978

No. A.32013/10/76-EC.—The President is pleased to appoint Shri P. D. Khanna, Assistant Technical Officer, Aero-

nautical Communication Station, Safdarjung Airport, New Delhi to the grade of Technical Officer on regular basis with effect from the 18-1-78 (FN) and until further orders and to post him in the same station.

No. A.12025/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri Devinder Singh as Communication Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 24-1-78 (FN) and until further orders and to post him at the Aeronautical Communication Station, Bombay Airport, Bombay.

S. D. SHARMA,
Dy. Director of Administration.

New Delhi, the 21st February 1978

No. A.12025/7/75-ES.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri P. M. Goyal as Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from 30-1-1978 and until further orders and to post him in the Office of the Senior Aircraft Inspector Incharge, Aeronautical Inspector Office, Lucknow Airport, Lucknow.

S. L. KHANDPUR,
Assistant Director of Administration

Kanpur, the 6th August 1977

No. 104/77.—Shri Jagdish Singh, Superintendent, Central Excise Group 'B' formerly posted at IOD Kanpur-I Divn. having been compulsory retired under F.R. 56(J) w.e.f. 23-12-75 (AN) by giving him three months pay and allowances in lieu of notice *vide* order issued under endorsement C. No. II(3) Conf./61/75/HAC/Pt/3016 dated 20-12-75, handed over the charge of his post in the afternoon of 23-12-77 to Shri T. S. Bisaria, Supdt. C. Ex. Kanpur-I and retired from Govt. Service w.e.f. 23-12-1975 (AN). He should remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 18-10-76, and should get leave salary reduced by the amount of pension and pension equivalent of other retirement benefits as provided in rule 40(7)(a) of Central Civil Service (Leave) Rules, 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

No. 105/77.—Shri Surendra Mishra, Officiating Superintendent, Central Excise, Group 'B' previously posted at Hdqrs. office Kanpur having been compulsory retired under F.R. 56(J) w.e.f. 23-12-75 (AN) by giving him three months pay and allowances in lieu of notice *vide* order issued under endorsement C. No. II(3) Conf./61/75/HAC/Pt/3020 dated 20-12-75, relinquished the charge of his post in the AN of 23-12-75 and retired from Government service w.e.f. 23-12-75. He will remain on leave beyond the date of compulsory retirement upto 13-10-77, and will get leave salary reduced by the amount of pension and pension equivalent of other retirement benefits as provided in rule 40(7)(a) of Central Civil Service (Leave) rules 1972 excepting for the period of leave which runs concurrently with the period for which pay and allowances have been paid in lieu of notice. For such period no leave salary is admissible.

K. S. DILIPSINHJI
Collector
Central Excise Kanpur

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE : MADHYA PRADESH

Indore, the 28 February 1978

No. 1/78.—Consequent upon their promotion as Superintendents of Central Excise, Group 'B' the following Inspectors of Central Excise (S.G.) have assumed their charges as Superin-

tendents of Central Excise, Group 'B' as shown against their names :—

S. No.	Name of Officer	Place of posting	Date of Assumption of charge
S/Shri			
1.	V.K. Handa	Supdt. RBC Assessment, Range No. II Hqrs Indore	16-1-78 F.N.
2.	M. B. Athale	Supdt. M. O. R. IV Indore	16-1-78 F.N.
3.	G. N. Markandey	Supdt. (Stat.) M. P. Coll'ic at Nagpur	17-1-78 F.N.
4.	K. L. Shrivastava	Supdt. M. R. I. Gwalior	16-1-78 F.N.
5.	P. N. Dange	Supdt. (Audit) Hqrs Indore	16-1-78 F.N.
6.	S. C. Shrivastava	Supdt. Raipur outer II	23-1-78 F.N.
7.	M. P. Mailar Pawar	Supdt. RBC assessment Range No. V Dn. Raipur	30-1-78 F.N.
8.	N. K. Diwan	Supdt. Isolated Ranges Champa	16-1-78 A.N.
9.	R. D. Malhotra	Supdt. Isolated Ranges Dhar.	21-1-78 F.N.
10.	M. Rashid	Supdt. (II) Ranges Dn. Indore	16-1-78 F.N.
11.	G. B. S. Pawar	Supdt. Durg	24-1-78 F.N.

M. S. B. INDRA
Collector

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 21st February 1978
MERCHANT SHIPPING

No. 6(5)CRA/77.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri Hanazing Shithung to officiate as Asstt. Director, Seamen's Employment Office, Calcutta with effect from the forenoon of the 9th January, 1978 and until further orders.

M. WALA,
Dy. Director General of Shipping.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 24th February 1978

No. A-19012/639/77-Adm.V.—On the recommendations of Union Public Service Commission, Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Harendra Nath Dakua as Extra Assistant Director (Hydro-Met.) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 4th January, 1978, until further orders.

2. Shri Dakua assumed charge of the post of Extra Assistant Director (Hydro-Met.) in the Central Flood Forecasting Organisation, Central Water Commission, Patna.

3. Shri Dakua will be on probation for a period of two years with effect from 4-1-78.

4. Shri D. S. Madan, Senior Professional Assistant (Hydro-Met.) appointed to officiate as Extra Assistant Director (Hydro-Met.) on *ad hoc* basis, stands reverted to the post of Senior Professional Assistant (Hydro-Met.) with effect from 4-1-78 (F.N.).

J. K. SAHA, Under Secy.
Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 10th February 1978

No. 27/42/77-ECIX.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Dipak Ranjan Sen, Architect, attached to Senior Architect (NZ)X, C.P.W.D., New Delhi with effect from 13-2-78 (FN).

The 25th February 1978

No. 27/3/78-ECIX.—The Director General of Works, C.P.W.D. is pleased to appoint Shrimati Chandra Banerjee nominated by the U.P.S.C. against temporary post of Assistant Architect (G.C.C.S. Group B) in the CPWD on a pay of Rs. 810/- P.M. in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-2-78 F.N. on the usual terms and conditions.

2. Shrimati Banerjee is placed on probation for a period of two years with effect from 6-2-78 FN.

3. Shrimati Banerjee is posted in the office of the Chief Engineer (EZ) CPWD, Calcutta with effect from 6-2-78 F.N. against the existing vacancy.

D. P. OIIRI.

Dy. Director of Administration

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 13th February 1978

No. 27-EP/R(10)-69-ECIF.—Shri S. N. Ray, Surveyor of Works (Elect.) attached to Superintending Engineer (El.) Calcutta Central Electrical Circle I, CPWD Calcutta, expired on 28-1-78.

S. S. P. RAU,

Dy. Director of Admn.

for Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Chettinad Automotive Private Limited*

Madras 600 006, the 21st February 1978

No. 5874/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chettinad Automotive Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Eastern Refab Technology Private Limited*

Gwalior, the 22nd February 1978

No. 1270/A/1189.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date here of the name of the Eastern Refab Technology Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
Raigarh Industries Private Limited*

Gwalior, the 23rd February 1978

No. 899/PS/1218.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Raigarh Industries Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. R. BOHRA,
Registrar of Companies,
Madhya Pradesh, Gwalior.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Conarc Trading Corporation Private Limited*

Cuttack, the 27th February 1978

No. S.O. 186/6436(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Conarc Trading Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Geeta Tubes Private Limited.*

Cuttack the 27th February 1978

No. S.O.501/6437(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Geeta Tubes Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL,
Registrar of Companies, Orissa.

INCOME TAX DEPARTMENT

New Delhi, the 20th February 1978

No. Coord./Pub./Delhi/E/76-77/44900.—Following is list showing the names of Individuals and HUFs, who have been assessed on a Wealth of more than ten lakhs of rupees during the financial year 1976-77. (i) indicates status 'I' for Individual and 'H' for HUF (ii) for assessment year (iii) for wealth returned (iv) for wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assessee:—

(1) PZ-4101, Birmo Devi C/o. D.C.M. Premises, Bara Hindu Rao, Delhi (i) I (ii) 1976-77 (iii) 10,88,300 (iv) 10,87,900 (v) 23,516 (vi) 23,536 (2) Liela Aggarwal 42, Janpath, New Delhi (i) I(ii) 1976-77 (iii) 11,77,560 (iv) 11,94,891 (v) 27,796 (vi) 28,000.

K. N. BUTANI,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi

FORM ITNS

(1) Shri Pran Kumar Mukherjee.

(Transferor)

(2) Shri Kalyan Pal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

IAC : ACQ. RANGE : IV : CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1978

Ref. No. AC-35/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 208/1B, situated at Barrackpore Trunk Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 7 cottahs 9 chittaks 43 sft. situated at 208/1B, Barrackpore Trunk Road, P. S. Baranagar, 24-Pgs., more particularly as per deed no. 5564 P of 1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th February 1978

Ref. No. CHD/65/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCO No. 125, Sector 28-D situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Kanwal Nain Singh S/o Shri Kuldip Singh, R/o. 1114, Sector 33-C, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Sahib Ditta Mal Sahni s/o Shri Shankar Dass Sahni, 2. Smt. Saraswati Devi W/o Shri Sahib Ditta Mal Sahni, Residents of H. No. 126, Sector 16-D, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) M/s. Sai Auto Industries, SCO No. 125, Sector 28-D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed building bearing No. SCO. 125, situated in Sector 28-D, Chandigarh. The total area of land is 84.58 sq. yards.

(Property as mentioned in sale deed registered by the Registering Authority, Chandigarh at Sr. No. 787 dated 3-11-1977).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 27-2-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 27th February 1978

Ref. No. BGR(DI.1)/3/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Factory building situated at 14/4, Mile Stone, Mathura Road, Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Grover Plastic Industries, R-808, Rajindra Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Elofic Industries (Pvt.) Ltd., C-44, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Generator India (P) Ltd., 2. M/s. Eicher Tractors India Ltd., 3. M/s. Elofic Industries India, 14/4, Mile Stone, Mathura Road, Faridabad.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building situated at 14/4 Mile Stone, Mathura Road, Faridabad.
(Property as mentioned in the sale deed registered by the Registering Authority, Delhi at Sr. No. 361 dt. 12-9-77).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 27-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st March 1978

Ref. No. KNL/13/77-78.—Whereas, I, RAVINDER
KUMAR PATHANIA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Factory shed at Meerut Road, situated at Karnal
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Karnal in June, 1977for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—(1) 1. Sh. Bahadur Chand S/o Sh. Hira Nand, 2. Sh.
Satpal alias Satdev s/o Sh. Bahadur Chand, R/o
Meerut Road, Karnal.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Daulat Ram s/o Sh. Khem Chand, 2. Sh.
Ghansham Dass s/o Sh. Ram Chand, C/o Modern
Agro Engg. Works, Kunjpura Road, Karnal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory shed alongwith brick masonry compound wall
situated at Meerut Road, Karnal.
(Property as mentioned in the sale deed No. 2019 dated
17-6-1977 registered in the office of Registering Authority,
Karnal).RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 1-3-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 124/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property as aforesaid exceeds the apparent consideration and bearing

No. As per schedule situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on July, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shmt. Kaushaliya Devi wd/o Late Sh. Vishwa Nath, 2. Shri Hari Om s/o late Shri Vishwa Nath, 3. Miss Santosh Kumari d/o Sh. Vishwa Nath c/o Mahavir Ginning Mills, Mansa.

(Transferor)

- (2) S/Shri Devki Nandan, Sehdev, Naval Kumar ss/o Sh. Pyare Lal, 2. Shmt. Satya Devi w/o Sh. Pyare Lal c/o M/s Banarsi Dass Mandhali Wale, Commission Agents, Grain Market, Mansa.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Anybody interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One godown in Mansa as mentioned in sale deed No. 2191 of July, 1977 registered with the S. R. Mansa.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 1-3-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 125/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Lohian (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on Aug., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
14—496GI/77

(1) Sh. Puran Singh s/o Sh. Nagahia Singh s/o Sh. Roor Singh, village Rupewali, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o Sh. Kewal Singh s/o Sh. Santa Singh, village Lohian, Teh. Nakodar.

(Transferee)

* (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

* (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 29 Kanals and 19 marlas in village Lohian, Teh. Nakodar as mentioned in sale deed No. 973 of Aug., 1977 registered with the S. R. Shahkot.

P. N. MALIK,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 1-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 126/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Batala Garbi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sh. Bachittar Singh s/o Sh. Mehtab Singh, R/o Kothi Mian, Teh. Batala.

(Transferor)

(2) Sh. Swarn Singh s/o Sh. Chanda Singh, R/o Umar Pura, Teh. Batala.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 28 Kanals and 5 marlas in Batala Garbi, Teh. Batala as mentioned in sale deed No. 2984 of July, 1977 registered with the S. R. Batala.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 1-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 127/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Hardothala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Dasuya on Aug., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

12—506 GI/77

- (1) Sh. Waryam Singh s/o Sh. Makhan Singh, village Hardothala, Teh. Dasuya.

(Transferor)

- (2) Sh. Gurdev Singh Kalkat s/o Sh. Kishan Singh, village Kainthan, Teh. Dasuya.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 Kanals and 10 marlas in village Hardothala, Teh. Dasuya as mentioned in sale deed No. 2000 of Aug., 1977 registered with the S. R. Dasuya.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 1-3-1978.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 128/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Lohian. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot on Sept., 1977. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Sh. Puran Singh s/o Sh. Nagabhai Singh s/o Sh. Roor Singh, village Rupe Wali, Teh. Nakodar.
(Transferor)
- (2) Sh. Kewal Singh s/o Sh. Santa Singh s/o Sh. Bagga Singh, village Lohian, Teh. Nakodar.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanals and 16 marlas in village Lohian, as mentioned in sale deed No. 1114 of Sept., 1977 registered with the S. R. Shahkot.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 1-3-1978,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 1st March 1978

Ref. No. A.P. No. 129/BP/77-78.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Tanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Dasuya on Aug., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Balwant Singh s/o Sh. Harnam Singh, V & P.O. Tanda, Teh. Dasuya.

(Transferor)

(2) S/Sh. Jagdish Singh, Malkiet Singh ss/o Mahesha Singh, V & P.O. Tanda, Teh. Desuya.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

* (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 26 Kanals and 4 marlas in village Tanda as mentioned in registration deed No. 2229 of Aug., 1977 registered with the S. R. Dasuya.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 1-3-1978.
Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Indra Electricals, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Jaipur Bottling Company, Jotwara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 2nd March 1978

Ref. No. Raj/IAC.(Acq.)/389.—Whereas, I, M. P. VASISHTHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. E-14 situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15th June, 77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Factory building situated at plot No. E-14, Vishava Karma Industrial Area, Jaipur, more fully described in conveyance deed No. 1005 dated 15-6-77 by the Sub-registrar, Jaipur.

M. P. VASISHTHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 2-3-78.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Dattamaya Maruti Gandhawale, 2. Shri Narayan Keshav Gandhawale, R/o Yamkanamardi Post, Taluk : Belgaum.

(Transferor)

- (2) Shri Ratanshi Devji Patel Saw Mill Owner, Goodshed Road, Belgaum City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Property consists of open space and sheds situated at Goodshed Road (Upper Side), Belgaum, Bearing R. S. No. 231, Admeasuring Area 11750 sft.

D. C. RAJAGOPALAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date : 27-2-1978.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 27th February 1978

Notice No. 207/77.78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax : Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

R. S. 231 situated at Belgaum, Goodshed Road (Upper side) Belgaum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum, Under document No. 1019/77.78 on 23-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS ———

(1) Shri A. Arokiasami Pillai S/o Shri S. Arulanaidam Pillai, Maris Thope, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. A. Pancros S/o Shri G. Arokiasami, Mettu St., Perambalur, Trichy Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1978

Ref. No. F.3885/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door Nos. 156 and 157 situated at Ward No. 4, Mettu Street, Perambalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Perambalur (Doc. No. 901/77) on 6-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 156 and 157, Ward No. 4, Mettu Street, Perambalur, Trichy Dist. (Doc. No. 901/77—Perambalur).

K. PONNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-2-78.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri N. Nanabai Dave, 2/82 Mint St., Madras.

(Transferor)

(2) Smt. T. Akilambal Ammal W/o Shri P. S. Thangamuthu, Nattar of Thanjavur Kallaperambur, Tanjore Taluk.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th February 1979

Ref. No. F. No. 3893/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 442, North Main St. situated at Thanjavur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Thanjavur (Doc. No. 1373/77) on 1-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5928 Sq. ft. (with building) bearing T. S. No. 442, Municipal Ward No. 4, North Main Street, Thanjavur. (Doc. No. 1373/77—JSR I, Tanjore).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 10-2-78.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1978

Ref. No. F. 3895/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 87, Bye Pass Road situated at Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur West (Doc. No. 2005/77) on 13-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the

(1) Shri A. T. Pichamuthu Chettiar S/o Shri A. Thirumalai Chettiar, No. 10 Narasimhapuram South St. Karur.

(Transferor)

(2) Shri K. Ponnuswami S/o Shri Karuppanna Nadar, No. 73 Dindigul Road, Karur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 87, Bye-pass road, Karur. (Doc. No. 2005/77—Karur West).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-2-78,

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. K. S. Ranganayaki; Mr. K. S. Srinivasan; and
Mr. K. S. Raman, No. 137 Car St., Madhurantha-
kam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Smt. S. Mariyam Bee W/o Shri T. A. Hussain, No.
112 Mosque St., Thirukkazukundram.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 16th February 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons.
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immove-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. F.3899/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 12, Devarajan St., situated at Vedachala Nagar, Chingle-
put
and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Chingleput (Doc. No. 1125/77) on 27-6-1977,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or exasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 12, Devarajan Street,
Vedachala Nagar, Chingleput.

K. PONNAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

13—506GI/77

Date : 16-2-78.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. Pichamuthu S/o Shri Sengoda Gounder,
9P8 Ramkrishnapuram, Karur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri P. Kaliappan S/o Shri Palaniappa Gounder,
86 Jawahar Bazar, Karur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1978

Ref. No. 3910/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-S Ramkrishnapuram situated at Karur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Doc. No. 2255/77 Karur West on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing No. 7-S, Ramkrishnapuram, Karur. (Doc. No. 2255/77—Karur West).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-2-78.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. V. M. Muthusami Chettiar,
No. 129 South Chitral St.,
Sriengam, Trichy-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Veerappan @ Raju,
S/o Shri Ramudu Chettiar,
No. 56 Periyachetti St.,
Trichy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 16th February 1978

Ref. No. 3915/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52, Kuruvian Kula St. situated at Trichy-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III Trichy (Doc. No. 871/77) on 28-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 52, Kuruvian Kula Street, Tiruchirapalli. (Doc. No. 871/77—JSR III, Tiruchirapalli).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 16-2-78
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramakrishna Pillai,
III Street, Mannargudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Abdul Hameed,
No. 18 Ismail St.,
Koothanallur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F.3888/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS No 2747, Block 43 situated at Ward No. II, 135 Asesham village, Mannargudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mannargudi (Doc. No. 1081/77) on 8-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building bearing T.S. No. 2747 Block No. 43, Ward No. II, No. 135 Asesham village, Mannargudi Town. (Doc. No. 1081/77).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 28-2-1978
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Ramakrishna Pillai,
S/o Shri Kuppusami Pillai,
III Street, Mannargudi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. A. Nazimunnisa,
W/o Shri Mohamad Kasim,
No. 18 Ismail St. Koothanallur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F. 3888/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and being No.

TS 2747, Block 43 situated at Ward No. II.

135 Asesham village, Mannargudi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Mannargudi (Doc. No. 1111/77) on June 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building bearing T.S. No. 2747 Block No. 43,
Ward No. II, 135 Asesham village Mannargudi Town. (Doc.
No. 1111/77).

K. PONNAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 28-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3902/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

55/ICIAI, situated at Bazaar Street, Srimushnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srimushnam (Doc. No. 974/77) on 27-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. Harikrishnan,
S/o Shri Madhava Reddiar,
Sannadhi St., Srimushnam,
Chidambaram Tk.

(Transferor)

(2) Shri Gopalakrishnan,
S/o Shri Bhuvanaha Chettiar,
Bazar St., Srimushnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dand and building bearing S. No. 55/ICIAI, Bazar Street, Srimushnam (Doc. No. 974/77).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 28-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3902/Junc/77.—Whereas, I, K. PONNAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55/1C1A1, situated at Bazaar Street, Srimushnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srimushnam (Doc. No. 979/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M. Harikrishnan,
S/o Shri Madhava Reddiar,
Sannadhi St., Srimushnam,
Chidambaram Tk.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Das,
S/o Shri Bhuvaram Chettiar,
Bazaar St., Srimushnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 55/1C1A1, Bazar Street, Srimushnam (Doc. No. 979/77).

K. PONNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 28-2-1978

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3902/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55/1C1A1, situated at Bazaar Street, Srimushnam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Srimushnam (Doc. No. 980/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. Harikrishnan,
S/o Shri Madhava Reddiar,
Sannadhi St., Srimushnam,
Chidambaram Tk.

(Transferor)

- (2) Shri Renganathan,
S/o Shri Bhuvaram Chettiar,
Bazaar St., Srimushnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing S. o. 55/1C1A1, Bazar Street, Srimushnam (Doc. No. 980/77).

K. PONNAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 28-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.3902/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55/1C1A1, situated at Bazaar Street, Srimushnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Srimushnam (Doc. No. 996/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property; and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor of the transferor to pay tax under the 'said Act,' to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

14—50 6GI/77

(1) Shri M. Harikrishnan,
S/o Shri Madhava Reddiar,
Sannadhi St., Srimushnam,
Chidambaram Tk.

(Transferor)

(2) Shri Sreedharan,
S/o Shri Bhuvaram Chettiar,
Bazaar St., Srimushnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing S. No. 55/1CA1, Bazar Street, Srimushnam (Doc. No. 996/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 28-2-1978

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 24th February 1978

Ref. No. 3903/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 56 Station Road, situated at Chrompet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc. No. 4587/77) on 27-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Shri T. S. Partha,
Asst. Professor, Pachiyappas College,
Madras.

(Transferor)

(2) Shri W. Solomon
(2) S/o Dr. S. K. Solomon,
No. 56 Station Road,
Madras-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 56, Station Road, Radha Nagar, Chrompet, Madras-44.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 24-2-1978
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F.4339/Junc/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 12, situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 1478/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri V. R. Chandran
Superintendent
Inspection Section, Canara Bank,
Divisional Office, Agra.
(Represented by Power Agent :
Shri K. R. Venkataraman,
No. 18 Abhiramapuram 4th St.,
Madras).

(Transferor)

(2) Shri Govindharaj
S/o Shri Venkatachalam
No. 72-B, Bhavani Road,
Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 0-47 21/32 acre situated at S. No. 12, Erode.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madrass-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F.4339/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 12, situated at Erode (0-66 23/32 Acre) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 1479/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. V. Balambal
W/o Shri K. R. Venkatraman
Represented by Shri K. R. Venkatraman
No. 18 Abhiramapuram 4th St.
Madrass.

(Transferor)

(2) Shri Govindharaj
S/o Shri Venkatachalam
No. 72-B Bhavani Road,
Erode.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 0-66 23/32 acres bearing S. No. 12, Erode.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri E. R. Sambamurthy;
Shri Srikandeswaran; and
Shri Gnanasekaran
No. 32, New Street,
Erode.

(Transferor)

(2) Shri Govindharaj
No. 72-B Bhavani Road,
Erode.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F.4339/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 12, situated at Erode (1.52 1/2 Acre) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Erode (Doc. No. 1480/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land admeasuring 1-52 1/2 Acres bearing S. No. 12, Erode.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No 4344/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-10-25A and 3-10-25C, situated at East St., Mettupalayam (half share) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Doc. No. 690/77) on 23-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Mohamed Sheriff; and
Smt. E. Ayisa Bibi
East St., Mettupalayam.

(Transferor)

- (2) Shri Kader Mohaideen (Minor)
Represented by father and natural guardian
Shri S. Mohamed Hanifa
Annaji Rao St.,
Mettupalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 1/4 Cents (with building) and bearing Door No. 3-10-25A and 3-10-25C East Street, Mettupalayam (S. No. 901/1A).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 22nd February 1978

Ref. No. F.4334/Junc/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 6 situated at Muthu Velappa Gounder St., Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Erode (Doc. No. 1660/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. PL. C. T. Vir Shanmughavalli Achi,
W/o Shri PL. C. T. Veerappa Chettiar
S.K.C. Road, Near Surampatti Four Road,
Erode.

(Transferor)

(2) 1. Shri S. P. Meenakshisundram Chettiar
2. Shri M. Veerappan
3. Shri Karuppan Chettiar and
4. Shri M. Saminathan
(Sl. Nos. 3 and 4 are minors and they are represented by Shri Meenakshisundram Chettiar)
No. 79 Court St.,
Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 6, Muthuvelappa Gounder Street, Erode.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 22-2-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6**

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. 5619/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5, Greams Road, situated at Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I (Madras North) (Doc. No. 344/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. Shri M. Thirunavukkarasu
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link Street, CIT Colony,
Madras-4;
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri K. A. Khaja
S/o late Shri K. E. Adam
No. 124, Angappa Naicken St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land of 9954 Sft. and Plinth area 4250 Sft.—III Floor (Plot No. 8 & 9-A, Door No. 5 Greams Road, Madras-6) (Doc. No. 344/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 28-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.5619/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot Nos. 8 and 9-A, situated at Door No. 5 Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at JSR-I Madras (North) (Doc. No. 345/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
15—506GI/77

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. Shri M. Thirunavukkarasu
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link Street, CIT Colony,
Madras-4;
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri K. A. Mohammed Jabar
S/o late Shri K. E. Adam
No. 124, Angappa Naicken St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land of 9954 Sft. and Plinth area 4250 Sft. in Second Floor (Plot Nos. 8 & 9-A, Door No. 5 Greams Road, Madras-6) (Doc. No. 345/77).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 28-2-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-6

Madras-6, the 28th February 1978

Ref. No. F.5619/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961 hereinafter) referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing Plot No. 8 and 9-A, situated at Door No. 5 Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at JSR I Madras (North) (Doc. No. 346/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Nalcker
2. Shri M. Thirunavukkarasu
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link Street, CIT Colony,
Madras-4;
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) Mrs. Assina
W/o Shri K. A. Sulaiman
No. 124, Angappa Naicken St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land area of 9954 Sft. and Plinth area—4250 Sft.—in First Floor (Plot No. 8 & 9-A, Door No. 5 Greams Road, Madras-6).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 28-2-1978

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madrass-6, the 28th February 1978

Ref. No. F. 5619/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot Nos. 8 and 9-A, situated at
Door No. 5 Greams Road, Madras-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Madras North (Doc. No. 347/77) in June 1977

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. Shri M. Thirunavukkarasu
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link Street, CIT Colony,
Madras-4;
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road,
Madras-4.

(Transferor)

- (2) Shri K. A. Sulauman
S/o late Shri K. E. Adam
No. 124, Angappa Naicken St.,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in land-area of 9954 Sft.; Plinth area—4250 Sft. in Ground floor. (Plot Nos. 8 and 9-A) (Door No. 5 Greams Road, Madras-6) (Doc. No. 347/77).

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 28-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. 5649/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5 Greams Road, Madras, situated at (Carpet area of 3425 Sft. in I Floor and 1/12th share in Plot Nos. 11 and 12 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 381/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker
2. Shri M. Thrunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., C.I.T. Colony,
Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) M/s. Radha Offset Press
Represented by its partner
Shri A. S. Vellaisamy,
No. 88 Suryanarayana Chetty St.
Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share in land at Plot Nos. 11 and 12—7 Grounds and 1982 Sq. ft. at No. 5 Greams Road, Madras-6 and a carpet area of 3425 Sq. ft. in I Floor (unfinished).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. F. 5653/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, Vaidyarama Iyer St., situated at T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 414/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) 1. Shri S. Ganesha Iyer;
2. Shri S. Krishnamurthy;
3. Mrs. Kamala Krishnamurthy;
4. Mrs. S. Gourie;
5. Mrs. Kanthiraman;
6. Mrs. Mythili Kaul and
7. Shri V. Subramaniam
(Sl. Nos. 2 to 7 are represented by
Shri S. Ganesha Iyer)
No. 48 Circus Avenue,
1st Floor, Calcutta-17.

(Transferor)

- (2) 1. M/s. P. B. Lakshmana Sah & Bros.
2. Shri P. B. Thulasi Sah;
3. Shri P. B. Lakshman Sah;
4. Shri P. B. Kasse Sah;
5. Shri P. T. Hiru Sah;
6. Shri P. K. Narayan Sah,
No. 109 Aiya Mudali Street,
Chintadripet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 5 Grounds (with building) situated at No. 2 Vaidyarama Iyer Road, T. Nagar, Madras-17.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Y. Venkanna Chowdary
20 North Boag Road,
Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Madras Chemicals and Polyesters P. Ltd.
No. 7 Second Street,
Sopalapuram (South),
Madras-86.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS-6

Madras-6, the 27th February 1978

Ref. No. F. 5655/June/77.—Whereas, I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

60/3 Arcot Road, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 766/77) on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at No. 60/3 Arcot Road, Madras (Doc. No. 766/77—Kodambakkam).

K. PONNAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 27-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Cherukuri Amarababu,
GPA holder Sri M. V. Raghavaiah Chowdary,
14/312, Fdepally, Masula

(Transferor)

(2) Sri Palakurti Sriramulu,
S/o Satyanarayana,
Cloth Merchants,
Main Road, Masula.

(Transferee)

(3) 1 Ratna Timber Dept,
2. Md Saleha,
3. Asst. Agil Officer (Godowns),
Masula

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 14th February 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No Acq F No. 603 —Whereas, I, N K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

22/412 situated at Masula

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Masula on 13-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No 1881/77 registered before the Sub-registrar, Masula during the fortnight ended on 15-6-1977

N K. NAGARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range Kakinada

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 14th February 1978

Ref No. Acq. No. 604 —Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/412 situated at Masula

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Masula on 27-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Cherukuri Anand Babu,
GPA holder Sri M. V. Raghavaiah Chowdary,
14/312, Fdepally Masula
(Transferor)
- (2) Sri Palakurti Sriamulu,
S/o Satyanarayana,
Cloth Merchants,
Main Road, Masula.
(Transferee)
- (3) 1. Ratna Timber Dept,
2. Md. Saleha,
3. Asst. Agrl. Officer (Godowns),
Masula.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2267/77 registered before the Sub-registrar, Masula during the fortnight ended on 30-6-1977

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri Cherukuri Vidyadevi,
GPA holder Sri M. V. Raghavaiah Chowdary,
14/312, Edepally, Masula.

(Transferor)

- (2) Sri Palakurti Sriramulu,
S/o Satyanarayana,
Cloth Merchants,
Main Road, Masula.

(Transferee)

- (3) 1. Ratna Timber Dept,
2. Md. Saleha,
3. Asst. Agtl. Officer (Godowns),
Masula.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—506GI/77

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2046/77 registered before the Sub-register, Masula during the fortnight ended on 30-6-1977.

N. K. NAGARAJAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date : 14-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 14th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 606.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/412 situated at Masula (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Masula on 26-7-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri H. Laxmidevi,
GPA holder Sri M. V. Raghavaiah Chowdary,
14/312, Edepally, Masula.
(Transferor)
- (2) Sri Palakurti Sriramulu,
S/o Satyanarayana,
Cloth Merchants,
Main Road, Masula.
(Transferee)
- (3) 1. Ratna Timber Dept.
2. Md. Saleha,
3. Asst. Agrl. Officer (Godowns),
Masula.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 2786/77 registered before the Sub-registrar, Masula during the fortnight ended on 31-7-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 14-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 16th February 1978

Ref. No. Acq. F. No. 609.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9-5-54 situated at Royapeta, Narasapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasapuram on 1-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

S/Shri
(1) 1. Tivari Ksheerasagara Prasad,
2. T. Rajendraprasad } M/G father Ksheerasagara
3. T. Vishunprasad } Prasad, State Bank
4. Roofram Prasad } Street, Narasapuram
(Transferor)

(2) Shri Mosses Sikile, Narasapur
Now at Y.M.C.A., Salisburg Road,
Kowloon, Hongkong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1444/77 registered before the Sub-Registrar, Narasapur during the fortnight ended on 15-6-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 16-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 216/77-78.—Whereas, J. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

8-2-26 to 230 situated at Red Cross Road, Clock Tower, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 3-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Mrs. Mercie Muriel Bedell,
W/o Maj. Desmond Bedell,
Ridge House, Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri L. Karshandas,
S/o Ladhahbai,
8-2-226 at Red Cross Road,
near Clock Tower,
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 8-2-226 to 230 (Old No. 73/A/1) situated at Red Cross Road, near Clock Tower, Secunderabad, registered vide Doc. No. 850/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC No. 217/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 57 and 58 situated at M. No. 1-7-239/2 and 239/22 S. D. Road, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 21-2-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Gangaram Kishinchand,
H. No. 1-3-234 to 241 Sarojini Devi Road,
Secunderabad.

(Transferor)

- S/Shri
(2) 1. Shri Boppana Venu,
H. No. 225-A West Maredpally,
Secunderabad.
2. Sri Durgaraju Ranga Rao,
Bhimavaram Village Madhira Tq.
Khamma, Dist.
(at present at Hyderabad).
3. Sri Kondapalli Prabhu Kumar,
1-9-285/4/3 Vidyannagar,
Hyderabad-44.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops bearing Nos. 57 and 58 in (M. No. 1-7-239/21 and 1-7-239/22) in the ground floor of Chandralok Complex M. No. 1-7-234 to 241 at Sarojinidevi Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 218/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3-6-361/18 situated at Himayatnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad on 26-6-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri A. Shanta Varma Reddy,
S/o A Veera Reddy,
Agriculturist, Annaram Village Narsapur-Tq.,
Medak-District.

(Transferor)

- (2) Sri M. R. Vijaya Kumar
S/o M. Rajeswara Rao,
H. No. 3-6-361/13 Behind Lady Hydri Club,
Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied building No. 3-6-361/18 Behind Lady Hydri Club, Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1469/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 219/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-1097 situated at Narayanguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 14-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Smt. Husmathunnisa Begum,
W/o Sri Aijaz Mohd Khan,
H. No. 3-5-1098 Narayanguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kovela Shanta
W/o N. V. Suryanarayana Rao,
H. No. 3-5-267 at Vittal Wadi,
Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 3-5-1097 situated at Narayanguda, Hyderabad registered vide Doc. No. 1536/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 220/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 140/11 situated at Tirupala, Thirupathy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathy on 20-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discussed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Panduranga Ramacharyulu,
S/o Sri Srinivasacharyulu,
2. Srinivasa Murthy,
3. Sri-Madhava,
4. Sri Jayathirth, Minor,
G.P.A. Ramachryulu, father,
All residing at Shivaji St.,
Mangalagripeta, Dharwar,
Karnataka-State.

(Transferor)

- (2) Smt. Kamalaxi Padmavathamma,
W/o Sri K.M. Krishnaiah,
Business, Thirumala,
Thirupathy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 140 at West Mada Street, Tirumala, Thirupathy, registered vide Doc. No. 1186/77 with the Sub-Registrar, Thirupathy.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 9th February 1978

Ref. No. RAC. No. 221/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 140/11 situated at Tirumala, Thirupathy. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathy on 10-6-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—506GI/77

S/Shri

- (1) 1. Panduranga Ramacharyulu,
S/o Srinivasacharyulu,
2. Srinivasamurthy,
3. Madhava,
4. Jayathirtha, minor, guardian, father,
All residing at Shivaji St.,
Mangalagiri-peta, Dharwar,
Karnataka-State.

(Transferor)

- (2) Sri K. M. Krishniah,
S/o Kamalaxi Munaswami,
Thirumala-Village, Thirupathy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 11/140 at Thirupathi St. Thirumala-Village, Thirupathy, registered vide Doc. No. 1187/77 with the Sub-Registrar, Thirupath.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 9-2-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC, No. 222/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot in S. No. 661-2 Kadiri situated at Kadiri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadiri on 8-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri
(1) 1. Name Ramachandraiah, Chetty,
Post Office Road, Kadiri,
2. Sri V. Abdul Subhan Saheb,
Post Office Road, Kadiri.

(Transferor)

S/Shri
(2) 1. Ambee Audimurthy,
Jonkupallam Street, Kadiri,
2. Sri Agisam Veerappa, S/o Subbaiah,
Railway Station Road, Kadiri,
Hindupur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot admeasuring 2372 Sq. Yds. in S. No. 661.2 situated at Kadiri, registered vide Doc. No. 1945/77 with the Sub-Registrar Kadiri.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 223/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No.7 situated at Karamkambadi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Vengudi Venugopal,
At Railway Stonepet,
Govindarajo-Mudalier Street, Renugunta,
Chittoor-Dist.

(Transferor)

- (2) M/s. P. R. Gopalakrishn Reddy & Co.
Represented by Sri P. R. Gopal Krishnareddy,
Partner,
H. No. 4-1-917 Tilak Road,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land in S. No. 7 situated at Karakambadi Village, Chandragiri Tq., Chittoor Dist. admeasuring 9.44 Acrs, registered vide Doc. No. 1207/77 with the Sub-Registrar Thirupathi

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 224/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-2-343/B situated at Gaganmahal, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Chella Ramaiah,
H. No. 3-6-369/B/4 at Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Tunu Srinivas Reddy,
S/o T. Vankat Ramareddy,
H. No. 4-1-738/1 Mozamaahi Market,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing M. No. 1-2-343/B situated at Gaganmahal, Hyderabad, admeasuring 580 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 1403/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 225/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-550/3 situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on June 1977

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Zubeda Begum,
W/o Sri Yasin Ali Khan,
Retd. Income-tax Inspector,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Shri Tara Chand Solanki,
H. No. 6-3-550/3 at Somajiguda,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-550/3 at Somajiguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1410/77 with the SubRegistrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 226/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-696 situated at Vijaynagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on 10-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. K. Bach Raj S/o Kishanlalji,
H. No. 4-1-1055 at Bogulkunta,
Hyderabad.
2. Mrs. S. Grace Albert W/o Mr. S. Albert Johan,
H. No. 10-3-696 at Vijayanagar Colony,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. U. Theresamma W/o U. Shour Reddy,
R/o Veligonda, Post,
Mahaboobnagar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10-3-696 at Vijayanagar Colony, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1447/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 227/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-609/141 situated at Anandanagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 30-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- S/Shri
- (1) 1. Smt. K. Someswari, W/o K. S. N. Reddy, by G.P.A. M. K. Pasha, IC-36 Erram Manzil Colony, Hyderabad.
2. K. S. N. Reddy, Divisional Engineer, A.P.S.E.B. Srikakulam,
3. K. Appalaswamy,
4. K. S. S. Prasada Rao,
5. K. V. Ramana Murthy,
S. No. 3 to 5 Represented by G.P.A. Sri K. S. N. Reddy, S. No. 2. (Transferor)
- (2) 1. Smt. K. Manemma, H. No. 6-3-609/141 at Anandanagar,
2. Sri K. Narsimloo, 6-3-609/141 Anandanagar, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6-3-609/141 at Anandanagar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1589/77 with the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 228/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1483 situated at Jangambazar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri Kokala Ansooja Bai W/o K. Narayana, H. No. 6987, Raja Mudaliar Street, Secunderabad.
2. K. Narayana, H.No. 6987 Rajendaliar Std Secunderabad.
(Transferor)

- (2) M/s. Purnamal & Co.,
Represented by its partner
Sri Naresh Kumar,
H. No. 21-1-588, Rekabgunj,
Hyderabad-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Malgi No. 1483 (New No. 3-4-351) at Jangam Bazar, Secunderabad registered vide Doc. No. 939/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 229/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-10-52 situated at Begumpet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—
18—506GI/77

- (1) Sri Kolam Janardhan Reddy
(H. No. 1-10-52 Begumpet, Secunderabad)
presently residing at Dhandi Malkapur Village,
Ramanapet, Tq., Nalgonda Dist.
(Transferor)
- (2) Sri Saama Anantha Reddy S/o S. Mara Reddy,
R/o (Amadapur Village, Chevella-Tq.,
Hyderabad District).
H. No. 1-10-52 at Bebumpet Secunderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1-10-52 (Old No. 82) at Begumpet, Secunderabad admeasuring 1115 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 840/77 with the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No 230/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-349, 350 situated at Tobaccobazar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on July 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Vemula Vishwanatham,
S/o V. Naganna,
H. No. 7-2-103 at Sajanlal Street,
Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Bai
W/o Satayanarayana Sharma,
H. No. 21-2-93 at Charkaman,
Shambai Lane, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Mulgies Nos. 3-4-349 and 3-4-350 (Old No. 1483) at Tobacco Bazar, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1116/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri P. K. Amar,
H. No. 140 at Srinagar Colony,
Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri K. Kesava Rao,
H. No. Plot No. 1 in Kesavanagar,
Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Life Insurance Corporation of India,
Hyderabad.

(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 231/77-78.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as in the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 1 situated at Srinagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Khairtabad on 1-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Newly constructed house in Plot No. 1 of Kesava Co-operative Housing Society, Srinagar Colony, Hyderabad registered vide Doc. No. 1382/77 with the Sub-Registrar Khairtabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-2-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC. No. 232/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/139 Half share situated at Gotlur Village, Dharmavaram Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ananthapur on 15-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

S/Shri

- (1) 1. Renigunta Seshiah,
2. R. S. Krishnayya,
3. R. Aswathanarayan,
4. R. S. Nagaraju,
5. R. Venkatarathnam,
6. R. Ravindranath,

All residing at Chennakesava Swamy Temple, Dharmavaram, Ananthapur Dist.

(Transferor)

S/Shri

- (2) 1. Renigunta Ratnam,
2. Smt. R. Rajamma, W/o Ratnam,
3. R. V. Aswathanarayana, minor Son of Ratnam,
4. R. Mallikarjuna Rao,

All residing at P.R.T. Street, Dharmavaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in Mill premises bearing Door No. 3/139 situated at Gotlur Village, Dharmavaram-Tq. Ananthapur-Dist, registered vide Doc. No. 491/77 with the sub-Registrar, Ananthapur.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 10th February 1978

Ref. No. RAC No. 233/77-78.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.S. No. 472 situated at Tirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupathi on June 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S/Shri

- (1) 1. Kothapally Ramakrishna Chetty.
2. Smt. K. Kamalamma
- W/o K. Ramakrishna Chetty
3. Ramakrishnan Raman.
4. Ramakrishnakrishnan.
5. Ramakrishna Srinivasan.

All residing at D.I.G Bungle. Up lands,
Visakapatnam.

(Transferor)

- (2) Sri Parpalli Venkata Subbaiah,
Superintendent, T.T.D. Devasthanam,
Govindarajanagar, Thirupathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site 528 Sq. Yds. T.S. No. 472 situated in Thirukatta, 18th Ward Ghandhinagar, Thirupathi, registered vide Doc. No. 1073/77 with the Sub-Registrar Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-2-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
4/4A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-I(110001)

New Delhi, the 7th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.II/1300/77-78/.—Whereas, I. N. S. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing G-1 situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi on 24-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act; to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kanta Jain w/o Shri Parduman Kumar Jain
r/o 3/53, Roop Nagar,
Delhi-7.

(Transferor)

(2) S/Shri Harbans Singh, Harbinder Singh,
Ss/o Shri Beant Singh Kohli,
3/3 Singh Sabha Road,
Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Reguna Restaurant,
2. Smt. Swaran Kanta
3. Shri Malkiat Singh
4. Shri Udhm Singh,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed commercial building built on a three side open free-hold plot measuring 500 sq. yds. bearing No. G-1 situated at Model Town, Delhi and bounded as under :—

South : Road
North : Building on plot No. G-2
East : Road
West : Service Lane.

N. S. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 7th March 1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
4 14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 7th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/61/June-1(6)/77-78/—
Whereas, I, J. S. GILLbeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as in 'said Act'),have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
C-132, Greater Kailash-I situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 4-6-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri Kulbir Singh Sara,
S/o Shri Dara Singh,
R/o 23, Havelok Road,
Kanpur Cantt.

(Transferor)

(2) Shri Raj Chopra,
S/o Shri K. C. Chopra,
R/o S-210, Greater Kailash-I,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of the notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A free-hold plot No. 132 Block No. 'C' measuring 310.2
Sq. yds. situated in residential colony known as Greater
Kailash-I and bounded as under :

East : Plot o. C-130
West : Plot o. 134
North: Road
South : S. Lane

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-3-1978
Seal :

FORM ITN—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 7th March 1978

Ref. No. IAC/Acq.III/679(7)/77-78.—Whereas, I, A. L. SUD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/29, M. No. 10615 situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25-6-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gurdip Kaur
D/o Shri Tirlok Singh
R/o 11/10, Pusa Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sobha Rani
W/o Shri B. D. Mehra
R/o A-4, Greater Kailash Enclave, Part-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 13/29, Municipal No. XXI/10615 Naiwala, Karol Bagh, New Delhi measuring 280 sq. yds. bearing Plot No. 29, Block No. 13 (WEA) Khasra No. 1531/1147, purported to be a 2½ storeyed building and bounded as under :

North : Service Road
South : Gali
East : House on Plot No. 30
West : House on Plot No. 28

A. L. SUD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date : 7-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 3rd March 1978

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/62/June-II(8)/77-78.—

Whereas, I, J. S. GILL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-67 situated at Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on 4-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Atlas Overseas (P) Ltd.,
E-1/2, Jhandewalan Extension,
Delhi-5.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Parimoo
W/o Shri P. L. Parimoo "Girdhar",
R/o 30 Sourabh Society, Drive Road,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. S-67 measuring 300 sq. yds., situated in the Freehold colony known as Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under :

Back : Service Lane
Left : Plot No. 66
Right : Plot No. 68
Front : Road 40' wide.

J. S. GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
4/14A, Asaf Ali Road New Delhi-1(110001)

Date : 13-3-1978.

Seal :

FORM ITNS—————

(1) Shri Pratul Kumar Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subimal Pal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

IAC : ACQ. RANGE : IV : CALCUTTA

Calcutta, the 18th February 1978

Ref. No. AC-34/Acq.R-IV/Cal/77-78.—Whereas, I, P. P. SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 208/1A, situated at Barrackpore Trunk Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-6-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 7 cottahs 9 chittaks 43 sft. situated at 208/1A, Barrackpore Trunk Road, P. S. Baranagar, 24-Pgs., more particularly as per deed no. 5563 P of 1977.

P. P. SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 18-2-1978.

Seal :